सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

अपमान का इकलौता
जवाब दूरी है, न बहस करें,
न कोई तमाशा, बस वहां से अपनी मौजूदगी हटा ले
और खामोशी से आगे बढ़ें... । अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-29 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 16 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

खास-खबर

पहली शादी के रहते हुए 'चूड़ी प्रथा' से हुआ विवाह अमान्य

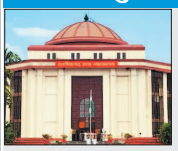

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पारिवारिक कानून और उत्तराधिकार से जुड़े एक अहम मामले में स्पष्ट कर दिया है कि पहली शादी के रहते केवल चूड़ी प्रथा के आधार पर किया गया दूसरा विवाह कानूनन वैध नहीं माना जाएगा। ऐसी स्थिति में दूसरी पत्नी या उसकी संतान को संपत्ति में कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

जस्टिस बिभू दत्ता गुरु की सिंगल बेंच ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 का हवाला देते हुए कहा कि जीवित जीवनसाथी के रहते किया गया दूसरा विवाह शून्य (Void) होता है। केवल चूड़ी पहनाने या लंबे समय तक साथ रहने से विवाह वैध नहीं हो जाता, जब तक पहला विवाह विधि सम्मत तरीके से समाप्त न किया गया हो।

क्या है पूरा मामला ?

मामला दुर्ग निवासी सगनूराम की संपत्ति से जुड़ा था। पहली पत्नी की बेटी सूरज बाई और दूसरी कथित पत्नी ग्वालिन बाई की बेटियों के बीच मालिकाना हक को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ। सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि ग्वालिन बाई के साथ कथित चूड़ी विवाह के समय उनका पहला पति जीवित था। न तो किसी कानूनी तलाक का प्रमाण प्रस्तुत किया गया और न ही किसी मान्य प्रथागत तलाक का दस्तावेज। गवाहों की जिरह में भी यह तथ्य स्वीकार किया गया। इन परिस्थितियों में हाईकोर्ट ने माना कि दूसरी शादी का विधिक अस्तित्व ही नहीं है, इसलिए उससे उत्पन्न अधिकारों का प्रश्न भी नहीं उठता।

राजस्व रिकॉर्ड से नहीं बनता कानूनी वारिस : अदालत ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि पटवारी या राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज होना किसी व्यक्ति को स्वतः कानूनी वारिस नहीं बना देता। उत्तराधिकार का अधिकार केवल विधिसम्मत वैवाहिक संबंध से उत्पन्न होता है।

हाईकोर्ट ने वर्ष 2002 में निचली अदालत द्वारा दिए गए निर्णय को बरकरार रखते हुए कहा कि सगनूराम की संपत्ति पर अधिकार केवल पहली पत्नी की संतान का ही होगा।

कानूनी दृष्टि से क्यों अहम है फैसला ? : विशेषज्ञों के अनुसार, यह निर्णय उन मामलों में नजीर बनेगा जहां पारंपरिक या सामाजिक प्रथाओं के आधार पर विवाह का दावा किया जाता है, लेकिन वैधानिक शर्तों का पालन नहीं होता। अदालत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि सामाजिक मान्यता और कानूनी मान्यता दो अलग-अलग विषय हैं — और संपत्ति के अधिकार के लिए कानून सर्वोपरि होगा। जीवित जीवनसाथी के रहते दूसरा विवाह शून्य है। सिर्फ प्रथा या साथ रहने से संपत्ति का अधिकार स्थापित नहीं होता।

टी-20 विश्व कप : पाकिस्तान पर भारत की शानदार जीत पर मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भारतीय क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज श्रीलंका के कोलंबो में खेले गए टी-20 विश्व कप मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 61 रनों से पराजित कर राष्ट्र का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे जांबाज खिलाड़ियों ने संयम, रणनीति और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय देते हुए यादगार जीत दर्ज की। यह क्षण करोड़ों देशवासियों के लिए गर्व, उत्साह और उल्लास का अवसर है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों को इस गौरवपूर्ण सफलता के लिए हार्दिक बधाई देते हुए आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

पेवर ब्लॉक कार्य में करोड़ों का खेल ? दस्तावेजों में कई चौंकाने वाले तथ्य

आलोक तिवारी / भिलाई

नगर निगम भिलाई में पेवर ब्लॉक कार्य को लेकर कथित अनियमितताओं का मामला अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। नई दृष्टिबिंदु ने सूचना के अधिकार के तहत भाजपा पार्षद संतोष मौर्या को मिले दस्तावेजो को खंगालना शुरू किया तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए है। भ्रष्टाचार के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने वाले पार्षद संतोष मौर्य से संबंधित दस्तावेज प्राप्त कर पूरी फाइल का बारीकी से अध्ययन किया गया। प्रारंभिक जांच में कई महत्वपूर्ण बिंदु सामने आए हैं।

3.99 करोड़ की स्वीकृति, 3.12 करोड़ का कार्यादेश

दस्तावेजों के अनुसार, 4 अगस्त 2023 को विधान सभा चुनाव के पूर्व पेवर ब्लॉक कार्य हेतु तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई और शासन से 3 करोड़ 99 लाख रुपए की मंजूरी प्राप्त हुई। निविदा प्रक्रिया के बाद 3 करोड़ 12 लाख रुपए का कार्यादेश एक एजेंसी को जारी किया गया।

यह भी उल्लेखनीय है कि निविदा आमंत्रण के लिए सामान्य सभा से अनुमति नहीं ली गई। आचार संहिता का हवाला देकर कलेक्टर से अनुमोदन प्राप्त किया गया, जबकि पेवर ब्लॉक कार्य को अति आवश्यक मूलभूत सुविधा की श्रेणी में नहीं माना जाता।

महापौर परिषद में प्रस्ताव, सामान्य सभा में नहीं

आरटीआई से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, नोटशीट क्रमांक 8 में उल्लेख है कि 3 करोड़ 12 लाख का प्रस्ताव महापौर परिषद में पारित किया गया। इतनी बड़ी राशि के कार्य को सामान्य सभा में प्रस्तुत न किया जाना भी सवालों के घेरे में है।

नियमों की अनदेखी ?

11 अक्टूबर 2023 को प्रदेश में आचार संहिता लागू हुई थी। आरोप है कि इस दौरान निविदा प्रक्रिया में विशेष शर्तों के तहत भाग लेने वाली एजेंसी से 50% समान प्रकृति के कार्य अनुभव की अनिवार्यता का पालन नहीं कराया गया। कार्यादेश से अधिक भुगतान – लगभग 86 लाख अतिरिक्त? फाइल अध्ययन में यह भी सामने आया कि 3 करोड़ 12 लाख के कार्यादेश के विरुद्ध 3 करोड़ 98 लाख रुपए का भुगतान किया गया। अर्थात लगभग 85 लाख 80 हजार रुपए का अतिरिक्त भुगतान। दस्तावेजों में इस अतिरिक्त राशि के लिए राज्य शासन अथवा सक्षम प्राधिकारी से पुनः स्वीकृति का उल्लेख नहीं मिला। यदि यह तथ्य प्रमाणित होता है तो यह वित्तीय नियमों के उल्लंघन और संभावित आर्थिक अपराध की श्रेणी में आ सकता है।

आरटीआई में 35 फाइलों की मांग, पूर्ण जानकारी नहीं

शिकायतकर्ता द्वारा सूचना के अधिकार के तहत 35 फाइलों की मांग की गई है। आरोप है कि अब तक पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। सूत्रों के अनुसार परियोजना शाखा में संबंधित फाइल की उपलब्धता पर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि शेष है।

बीएसपी टाउनशिप क्षेत्र में बिना एनओसी कार्य ?

माप पुस्तिका के अनुसार लगभग डेढ़ करोड़ रुपए का कार्य बीएसपी टाउनशिप क्षेत्र में दर्शाया गया है। आमतौर पर बीएसपी क्षेत्र में कार्य हेतु प्रबंधन से एनओसी आवश्यक होती है, पर उपलब्ध दस्तावेजों में ऐसी स्वीकृति या पत्राचार का उल्लेख नहीं मिला। 14.78 करोड़ के 138 कार्यादेश – जोन क्रमांक 5 के अंतर्गत समान प्रकृति के कार्यों में जोन क्रमांक 5 कार्यालय के अंतर्गत लगभग 14 करोड़ 78 लाख रुपए के 138 कार्यादेश जारी किए जाने का भी उल्लेख है। इससे पूरे प्रकरण का दायरा और व्यापक हो जाता है।

टेस्ट रिपोर्ट से पहले भुगतान?

दस्तावेजों के अनुसार, नवंबर 2023 में 1 करोड़ 19 लाख रुपए का प्रथम भुगतान किया गया, जबकि सीएसआईडीसी की टेस्ट रिपोर्ट 24 फरवरी 2024 को जारी हुई। बिना टेस्ट रिपोर्ट भुगतान किया जाना प्रक्रिया पर प्रश्न खड़े करता है। पूर्व मामलाः 50 हजार पर निलंबन, अब करोड़ों पर चुप्पी? पूर्व में गौरव पथ निर्माण के दौरान कार्यपालन अभियंता नारंग पर 50 हजार रुपए अतिरिक्त भुगतान के मामले में कार्रवाई हुई थी। ऐसे में वर्तमान प्रकरण में करोड़ों के कथित अतिरिक्त भुगतान पर कार्रवाई न होना भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

जिम्मेदारी किसकी?

दस्तावेजों के आधार पर उप अभियंता और सहायक अभियंता की भूमिका भी जांच के दायरे में बताई जा रही है। अब निगाहें जांच समिति की रिपोर्ट और संभावित प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं। क्या अतिरिक्त भुगतान की वैधानिक स्वीकृति थी? क्या निविदा प्रक्रिया में नियमों का पालन हुआ? क्या टाउनशिप क्षेत्र में बिना एनओसी कार्य हुआ? और अगर सब कुछ नियम अनुसार था तो फाइल सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही? नई दृष्टिबिंदु इस मामले की आगे भी पड़ताल जारी रखेगा।

मय दस्तावेज की थी शिकायत

भाजपा पार्षद एवं शिकायतकर्ता संतोष मौर्या ने कहा है कि उन्होंने पूरे प्रकरण की दस्तावेज सहित शिकायत कलेक्टर दुर्ग से की थी। संतोष ने बताया कि मीडिया के माध्यम से उन्हें यह जानकारी मिली है कि कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम द्वारा जांच टीम का गठन किया गया है। हालांकि, उन्हें अब तक अधिकृत रूप से जांच समिति के गठन अथवा जांच प्रक्रिया प्रारंभ होने संबंधी कोई लिखित सूचना प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि मामला गंभीर वित्तीय अनियमितता से जुड़ा है, इसलिए जांच प्रक्रिया पारदर्शी एवं समयबद्ध होनी चाहिए तथा शिकायतकर्ता को भी अधिकृत रूप से अवगत कराया जाना चाहिए।

गंभीर आर्थिक अनियमितता का है मामला

पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष एवं नगर निगम भिलाई के वरिष्ठ पार्षद महेश वर्मा ने पेवर ब्लॉक कार्य प्रकरण को गंभीर वित्तीय अनियमितता बताया है। उन्होंने कहा कि जब कार्यादेश 3 करोड़ 12 लाख का जारी किया गया था, तब 3 करोड़ 98 लाख का भुगतान किस आधार पर और किसकी स्वीकृति से किया गया, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए। महेश वर्मा ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला आर्थिक अपराध की श्रेणी में आता प्रतीत होता है। यदि कार्यादेश से अधिक भुगतान किया गया है और उसके लिए विधिवत संशोधित स्वीकृति उपलब्ध नहीं है, तो इसकी निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच आवश्यक है।

कमिश्नर से संपर्क का प्रयास, नहीं मिला पक्ष

पूरे प्रकरण को लेकर नई दृष्टिबिंदु द्वारा नगर निगम भिलाई के कमिश्नर राजीव पांडे से दूरभाष के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, ताकि निगम प्रशासन का आधिकारिक पक्ष भी प्राप्त किया जा सके। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक उनका कॉल रिसीव नहीं हो सका। प्रशासनिक पक्ष प्राप्त होते ही उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

दो सदस्यीय जांच समिति गठित, शीघ्र शुरू होगी प्रक्रिया

पेवर ब्लॉक कार्य प्रकरण में जिला प्रशासन द्वारा दो सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है। समिति में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कार्यपालन अभियंता आशीष भट्टाचार्य तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) विभाग के कार्यपालन अभियंता जितेंद्र मेश्राम को सदस्य बनाया गया है। मामले की प्रगति जानने हेतु नई दृष्टिबिंदु के द्वारा कार्यपालन अभियंता आशीष भट्टाचार्य से दूरभाष पर चर्चा की गई। उनसे पूछा गया कि जांच की तैयारी किस स्तर पर है तथा रिपोर्ट कब तक प्रस्तुत की जाएगी। इस पर उन्होंने बताया कि जांच समिति में उनके साथ कार्यपालन अभियंता जितेंद्र मेश्राम भी शामिल हैं। दोनों सदस्यों की बैठक निर्धारित है, जिसके उपरांत यह तय किया जाएगा कि जांच औपचारिक रूप से कब से प्रारंभ की जाएगी और आगे की कार्यवाही की रूपरेखा क्या होगी। उन्होंने संकेत दिया कि बैठक के बाद जांच की समय-सीमा एवं प्रक्रिया स्पष्ट की जाएगी।

प्रबंधन की अनदेखी | दुर्ग की **Simba Beer** फैक्ट्री में मजदूरों की हड़ताल, उत्पादन पूरी तरह ठप

10 साल से वेतन वृद्धि नहीं, सुरक्षा उपकरण भी नदारद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के अंजोरा क्षेत्र स्थित रस्मदा रोड के पास संचालित ग्रुें ईी१ फैक्ट्री में मजदूरों ने वेतन वृद्धि और सुरक्षा उपकरणों की मांग को लेकर हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल के चलते फैक्ट्री का उत्पादन पूरी तरह ठप हो गया है और मशीनें बंद पड़ी हैं।

मजदूरों का आरोप है कि पिछले लगभग 10 वर्षों से वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। साथ ही फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा काम के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपकरण – जैसे हेलमेट, ग्लव्स और अन्य सेफ्टी संसाधन – उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं।

मजदूरों की प्रमुख मांगें

हड़ताल कर रहे मजदूरों ने अपनी मांगों को स्पष्ट करते हुए कहा है कि उन्हें उचित और बढ़ा हुआ वेतन दिया जाए। फैक्ट्री में आवश्यक सुरक्षा उपकरण तत्काल उपलब्ध कराए जाएँ। स्किल्ड और अनस्किल्ड मजदूरों के वेतन में

अंतर सुनिश्चित किया जाए। वर्षों से लंबित मांगों का निराकरण किया जाए। मजदूरों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं की जातीं, वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे।

नेतृत्व और प्रदर्शन

यह आंदोलन छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा के नेता भीम राव वागडे के नेतृत्व में किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान मजदूर फैक्ट्री गेट के बाहर नारेबाजी कर रहे हैं और प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

उत्पादन पर असर

हड़ताल के चलते – फैक्ट्री का संपूर्ण उत्पादन बंद हो गया है। मशीनें ठप पड़ी हैं। सिंबा बियर ब्रांड का निर्माण फिलहाल रुका हुआ है। जानकारी के अनुसार, सिंबा बियरब्रांड की शुरुआत वर्ष 2016 में हुई थी और इसका प्रमुख उत्पादन केंद्र दुर्ग में स्थित है।

प्रबंधन और प्रशासन की भूमिका पर सवाल

हड़ताल के बाद अब निगाहें फैक्ट्री प्रबंधन और जिला प्रशासन पर टिकी हैं। फिलहाल प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। सवाल यह है कि क्या मजदूरों की मांगों पर सहमति बनेगी या यह आंदोलन और लंबा खिंचेगा।

स्थिति गंभीर

फैक्ट्री बंद है, उत्पादन रुका है और मजदूर अपने हक की मांग पर अडिग हैं। आगे की कार्रवाई और वार्ता पर ही इस विवाद का समाधान निर्भर करेगा।

नारधा मंदिर में जमकर हुई मारपीट, जुर्म दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले के जामुल थाना क्षेत्र के नारधा गांव में भाजपा नेता और उसके साथियों द्वारा मंदिर के पुजारी के भाई की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। यह घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें भाजपा नेता को पुजारी के भाई के पेट पर लात मारते हुए देखा जा सकता है। इस घटना के बाद जामुल पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर काउंटर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार नारधा गांव स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी के भाई रामगिरी गोस्वामी को भाजपा के पूर्व जनपद सदस्य चंद्रहास गोस्वामी ने गांव में आयोजित हो रहे महायज्ञ के लिए मंदिर के आसपास लगाई गई दुकानों को पीछे हटाने के लिए कहा था। जब रामगिरी गोस्वामी ने दुकान पीछे करने से इनकार कर दिया, तो भाजपा नेता चंद्रहास गोस्वामी अपने साथियों के

साथ दुकान पर पहुंचा और रामगिरी गोस्वामी के साथ लात-घूंसों और हवा भरने वाले पंप से जमकर मारपीट की। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

पुलिस की कार्रवाई और दोनों पक्षों की शिकायत

मारपीट की घटना के बाद, दोनों पक्ष थाने पहुंचे और अपनी-अपनी लिखित शिकायतें दर्ज कराई। पुलिस ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। फिलहाल, पुलिस इस मामले की गहन विवेचना में जुटी हुई है ताकि सच्चाई का पता लगाया जा सके और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके। सीसीटीवी फुटेज इस मामले में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में सामने आया है।

घटना का उद्देश्य और संभावित परिणाम

प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि मारपीट का मुख्य कारण दुकानों को पीछे हटाने को लेकर उपजा विवाद था। भाजपा नेता चंद्रहास गोस्वामी महायज्ञ के आयोजन में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं चाहते थे, जबकि पुजारी के भाई रामगिरी गोस्वामी ने अपनी दुकान हटाने से मना कर दिया था। इस विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसके परिणामस्वरूप मारपीट हुई। पुलिस अब इस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है, जिसमें दोनों पक्षों के बयानों और सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण शामिल है। इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और लोग पुलिस की निष्पक्ष जांच की उम्मीद कर रहे हैं।

संयंत्र द्वारा राजहरा में छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच जंवारा का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के सामाजिक निगमित उत्तरदायित्व विभाग एवं मानव संसाधन विभाग, राजहरा खदान के संयुक्त तत्वावधान में राजहरा क्षेत्र में छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच ह्यजंवाराह्न का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (खदान) आर. बी. गहरवार रहे व विशिष्ट अतिथि के तौर पर महाप्रबंधक प्रभारी (खदान) जयप्रकाश, महाप्रबंधक बिपिन कुमार, महाप्रबंधक अरुण कुमार, महाप्रबंधक एन. के. साहू तथा सीआईएसएफ के उप कमांडेंट वांगखेम उपस्थित थे।

बीएसपी अपने सामाजिक निगमित उत्तरदायित्व (सीएसआर) दायित्वों के अंतर्गत आसपास के क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, कला एवं लोक संस्कृति के विकास हेतु निरंतर कार्य करती है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति एवं क्षेत्रीय कलाकारों को मंच प्रदान करने की दिशा में इस लोक कला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र की समृद्ध लोक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ-साथ स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन प्रदान करना था। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की विविध लोक विधाओं जैसे सुआ, ददरिया, कर्मा, पंडवानी, जसगीत, पंथी, राऊतनाचा एवं गौरा-गौरी की गीत-संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम का संचालन मानव संसाधन विभाग के रतिश मिश्रा द्वारा किया गया। आयोजन की सफलता में मानव संसाधन विभाग के शैलेश पटनायक, आनंद कुमार, राजेश पांडे, मुरलीधर चंद्राकर, संतराम साहू, घनश्याम पारकर, हरकराम तथा सामाजिक निगमित उत्तरदायित्व विभाग के कमलकांत वर्मा एवं बुधेलाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लगभग 40 लाख की लागत से तैयार आधुनिक मैदान का महापौर ने किया लोकार्पण

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा अंतर्गत पीपीपी मॉडल के तहत पटरीपार वार्ड क्रमांक 21 में दुर्ग शहर का पहला टर्फ क्रिकेट ग्राउंड आधुनिक टर्फ क्रिकेट ग्राउंड का निर्माण कर क्षेत्रवासियों को एक बड़ी सौगात दी गई है। लगभग 40 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस टर्फ क्रिकेट ग्राउंड का लोकार्पण महापौर अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर,वार्ड पार्षद विद्यावती सिंह एवं बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों के साथ किया।

यह दुर्ग शहर का पहला टर्फ क्रिकेट ग्राउंड है, जिसे दुर्ग के हनुमान नगर स्थित इनडोर स्टेडियम के सामने सद्भावना भवन के पास विकसित किया गया है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह मैदान बच्चों, युवाओं एवं खेल प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। लोकार्पण अवसर पर खिलाड़ियों ने प्रतीकात्मक रूप से क्रिकेट खेलकर मैदान का शुभारंभ किया, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला।मैदान निर्माण के साथ ही क्षेत्र के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए लगभग 20 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक का निर्माण कार्य भी कराया गया है। सद्भावना भवन की बाउंड्री के चारों ओर नागरिकों के लिए सुगम आवागमन हेतु फुटपाथ का निर्माण किया गया है तथा स्ट्रीट नंबर 4 में भी पेवर ब्लॉक लगवाए गए हैं, जिससे क्षेत्र का सौंदर्यीकरण एवं सुविधा दोनों बढ़ी हैं इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चंद्राकर, अरुण सिंह,पार्षद मनीष कोठारी, गुलशन साहू,रंजीता पाटिल, सावित्री तमाहे,संजय अग्रवाल युवराज कुंजाम,मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा के अलावा बड़ी संख्या में वार्ड के नागरिकगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर के प्रत्येक वार्ड में खेल एवं मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना है।

नक्सल समस्या उन्मूलन पर होगा प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का नागरिक अभिनंदन

छत्तीसगढ़ के कलाकारों ने विजय बघेल से की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नक्सल समस्या के पूर्ण उन्मूलन पर छत्तीसगढ़ के समस्त कलाकार सांसद विजय बघेल के नेतृत्व में प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का दुनिया में सबसे बड़ा नागरिक अभिनंदन करेंगे। वहीं उन्हें क्रमशः "भारतोद्धारकः" और "भारतवीरः" की उपाधि से भी विभूषित करेंगे। अपने निवास में मिलने आए कलाकारों से सांसद ने कहा कि वे इस कार्यक्रम को सफल बनाने अपनी पूरी ताकत झोंक देंगे। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक डॉ. अंकुश देवांगन, मशहूर चित्रकार रोहिणी पाटणकर एवं बी.एल. सोनी, रंगकर्मी विजय शर्मा, तरूण धोटे, प्रसिद्ध साहित्यकार मेनका वर्मा और खैरागढ़ से गुंजन शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि वे शीघ्र ही छत्तीसगढ़ के समस्त कलाकारों के साथ मुख्यमंत्री से मिलकर इस योजना को अंतिम स्वरूप प्रदान करेंगे। उन्होंने इस योजना की सराहना करते हुए कहा कि नासूर बन चुकी नक्सली समस्या का हल होना विकसित भारत के लिए आवश्यक है। कश्मीर से धारा 370 हटने पर भी नागरिक अभिनंदन किया जाना था। खैर छत्तीसगढ़ में ऐसा अभिनंदन होगा कि पूरी दुनिया याद रखेगी। उन्होंने यह भी कहा कि देश आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में द्रुतगति से तरक्की करते हुए विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनने अग्रसर है। और ऐसे समय में उनका अभिनंदन प्रासंगिक है। इस आयोजन से निश्चित रूप से देश में अभूतपूर्व एकता का सूत्रपात होगा।

ज्ञात हो कि अंकुश देवांगन के सान्निध्य में अनेक कलाकार लगभग 35 वर्षों से बस्तर के धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा छोड़ो कला से नाता जोड़ो जैसा आंदोलन चला रहे हैं। ताकि यहां के बच्चे नक्सली ना बनें। इस आंदोलन से लाखों बच्चों को फायदा हुआ है और वे माओवादी बनने से बचे हैं। उन सबको इंतजार था कि यह समस्या खत्म हो। कलाकारों ने नागरिक अभिनंदन के लिए बाकायदा एक विस्तृत योजना भी बना ली है। वे न सिर्फ छत्तीसगढ़ बल्कि भारत के समस्त 36 राज्यों के कलाकारों, समाजसेवियों, नागरिकों, उद्योगपतियों और राजनेताओं को आमंत्रित करना चाहते हैं। वहीं आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए विश्व के बड़े-बड़े कलाकारों का स्टेज शो भी करवाना चाहते हैं। प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डी.एस. विद्यार्थी, राष्ट्रपति पुरस्कृत गुरुजी परसराम साहू, प्रसिद्ध समाजसेवी विमान भट्टाचार्य, कवि पी. वाल्सन, सुविख्यात मूतिर्कार मोहन बराल, ब्रजेश तिवारी, वीरेंद्र पटनायक, विक्रम अपना, यश दलवी, कांता दलवी तथा छत्तीसगढ़ी ललित कला अकादमी समूह से जुड़े समस्त कलाकारों ने एकमैव स्वर में कहा है कि यह आयोजन पूरे देश के लिए एक नजीर साबित होगी।

महाशिवरात्रि– मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्गवासियों के सुख समृद्धि की कामना की

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

महाशिवरात्रि पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने भगवान भोलेनाथ की पूजा अचर्ना कर दुगर्वासियो के सुख समृद्धि की कामना किये। विद्युतनगर स्थित शिवमंदिर में शिवलिंग की पूजा अचर्ना कर रुद्राभिषेक कर मत्था टेककर भक्तों संग भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाए। महाशिवरात्रि पर मंदिर आने वाले सभी भक्तों को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनायें देते हुए भोग भंडारे में प्रसाद वितरण में युवाओ के साथ हाथ बंटाए। इसके पश्चात पुराना बस स्टैंड स्थित शिव हनुमान मंदिर पहुँचे और युवाओं के साथ शिवजी की आरती किये।

महाशिवरात्रि के अवसर पर शहर के शिव मंदिरो में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए और स्थानीय नागरिकों के साथ शिवलिंग में जल चढ़ाकर पूजा अचर्ना कर सभी के बेहतर स्वास्थ्य और उन्नति के लिए शिवजी से अपनी कृपा बनाये रखने आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा शिव ही शक्ति, शक्ति ही शिव है। शिव जी को स्वयंभू माना गया है, यानी कि उनका जन्म नहीं हुआ और वो अनादिकाल से सृष्टि में हैं। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर मंदिर में पूजा पाठ के लिए आने वाले शिव भक्तों के लिए भोग भंडारे का व्यवस्था की गई थी जहाँ केबिनेट मंत्री यादव ने प्रसाद वितरण में अपना हाथ बंटाये।

विधायक चंद्राकर ने भगवान भोलेनाथ की पूजा अचर्ना की

दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने अपने क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मोहलाई ,नगपुरा चंगोरी,भरदा, मंचान्दूर, बोरीगारका ,अंडा, कुथरेल,धनोरा, दमोदा , बोरई,में आज महा शिवरात्रि के पावन पर्व पर विभिन्न शिव मंदिरों में पूजा-अचर्ना और रूद्राभिषेक किया और आशीर्वाद प्राप्त कर प्रदेश में सुख, शांति एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने विधि-विधान पूर्वक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अचर्ना की। साथ आयोजित भंडारे में महाप्रसादी वितरण किया और प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने बताया कि महाशिवरात्रि भारतीयों का एक प्रमुख त्यौहार है। यह भगवान शिव का प्रमुख पर्व है। पौराणिक कथाओं के अनुसार माघ फागुन फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुदर्शी को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। माना जाता है कि सृष्टि का प्रारम्भ इसी दिन से हुआ था। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन सृष्टि का आरम्भ अग्निलिंग (जो महादेव का विशालकाय स्वरूप है) के उदय से हुआ। इसी दिन भगवान शिव का विवाह देवी पावर्ती के साथ हुआ था। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव व पत्नी पावर्ती की पूजा होती हैंऔर मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती हैं। इस अवसर पर रिसाली मंडल जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन जिला मंत्री गिरेश साहू, मंडल अध्यक्ष लिकेश्वर देशमुख शीतला ठाकुर, महामंत्री प्रवीण यदु चंदू देवांगन सोसायटी अध्यक्ष फलेंद्र राजपुत ,सुखदेव देवांगन, सरपंच गिरेश्वर देशमुख, भुवन लाल देशमुख, हीरामन देशमुख सुनील भारदिय दिलीप साहू देवनाथ देशमुख नोमेश्वर पिपरिया राजू यादव, मुकेश मांडले, पवन महतेल, शिव निषाद, जीतेश धनकर, भूपेन्द्र रिगरि, प्रदीप ढीमर, भूपेन्द्र ढीमर, दासू ढीमर, शिव ढीमर, जगमोहन ढीमर,राजकुमार, गायत्री साहू, उत्तम चंद्राकर, राजू शर्मा, जगदेव साहू, हरीश देशमुख, नेहा साहू, देविका यादव, संतोष साहू, सत्रुघन साहू, पुनानंद देशमुख, त्रिलोक साहू, दुष्यंत देशमुख, नेतराम देशमुख, व बड़ी संख्या श्रद्धालु जन उपस्थित रहे।

महापौर व जनप्रतिनिधियों ने किया भव्य रुद्राभिषेक

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर दुर्ग शहर के शिवनाथ नदी तट पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा भव्य रुद्राभिषेक एवं आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम की महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा एवं सांस्कृतिक प्रभारी हर्षिका संभव जैन ने भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा-अचर्ना कर रुद्राभिषेक किया। इस दौरान शहर की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की गई। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर शिवनाथ नदी की आरती कर नगर एवं प्रदेश में शांति, सद्भाव और समृद्धि की प्राथर्ना की। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने समस्त शहरवासियों को महाशिवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान शिव एवं माता पावर्ती की कृपा सभी पर बनी रहे। उन्होंने कहा कि मानव जीवन ईश्वर का आशीर्वाद है और हमें अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज व शहर की उन्नति में योगदान देना चाहिए। सभी जनप्रतिनिधियों ने प्रदेश और शहर में शांति व सद्भाव बनाए रखने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, लीना दिनेश देवांगन, मनीष साहू, रंजीता पाटिल, सावित्री दमाहे, युवराज कुंजाम, गुलशन साहू, प्रतिभा सुरेश गुप्ता, उपायुक्त मोहेंद्र साहू, भवन अधिकारी प्रकाश चंद थवानी, विनोद मांझी, मोहित मरकाम, करण यादव, थान सिंह यादव, अभ्युदय मिश्रा, ईश्वर वर्मा सहित निगम के अधिकारी-कमर्चारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पावन पर्व, मन्दिर में परिणय सूत्र में बंधा जोड़ा

नवयुवा जागरण मां शीतला सेवा समिति और डुंडेरा के ग्रामवासियों ने महाशिवरात्रि का पावन पर्व सेवा भाव और बड़े ही उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया। दो दिन के इस आयोजन में सबसे रोचक संदेश देखने को मिला वह एक जोड़ा विवाह का जो मन्दिर प्रांगण में ही सम्पन्न कराया गया। जहां विभिन्न प्रकार के खर्चों के कारण आज के समय में शादी इतनी महंगी हो गई। उसके इतर महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व पर कलश यात्रा के साथ शीतला माता मंदिर के पास स्थापित बाबा भोलेनाथ महातेजेश्वर महादेव की निकाली गई बारात के साथ साथ बाराती भी शामिल हुए। मन्दिर में पूजा के लिए उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने इस विवाह में साक्षी बनकर परिणय सूत्र में बंधने वाले नवविवाहित जोड़ा को बधाई और आशीर्वाद दिया। नवयुवा जागरण मां शीतला सेवा समिति का प्रयास सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में बड़ा ही सराहनीय रहा है। समिति के सदस्य राम गुलाल बंछोर,लीलाधर साहू, सुंदरू बैगा, डीजेन्द्र यादव, कुबेर यादव, विष्णु साहू, अश्वनी साहू, गोवर्धन साहू,देवा यादव, देवलाल निषाद,मुकेश गोस्वामी,गोविंद प्रजापति,गैंद सिंह छत्री ,ओमनारायण साहू,सन्तोष साहू, सदाराम ,साहू, साहू, भोला यादव, पोषण साहू,दुष्यन्त साहू,बिरेन्द्र साहू,अमित जैना,कमलेश सेन,नारायण साहू,माधो यादव,खुमान साहू,नीलू साहू,धनेश्वर साहू,नोगेन्द्र वर्मा,दीप बंजारे, राजकुमार कुर्रे,माइकल गोस्वामी उपस्थित थे।

बीएसपी अनाधिशासी कर्मचारी संघ की हुई आम सभा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बीएसपी अनाधिशासी कर्मचारी संघ की आम सभा इंजीनियर्स भवन में रविवार को संपन्न हुआ । सभा में कई मुद्दो पर सभी वक्ताओं ने चर्चा किया ।जिसमें वेज रीविजन, बोनस , एरियर , एनजेसीएस में सुधार, पीएसयु में पे रीविजन कमेटी का गठन , पे स्केल में सुधार, भिलाई इस्पात संयंत्र में चुनाव , कर्मचारियों की लोकल समस्याएँ पर सुनवाई किया गया ।

सभा में कोषाध्यक्ष नवीन मिश्रा ने कैलेण्डर वर्ष 2024-25 के यूनियन के आय व्यय का ब्यौरा सभा के समक्ष प्रस्तुत किया गया , जिसको सभा ने मंजूरी दिया । वही नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने अपने नए कायर्काल के लिए शपथ लिया तथा यूनियन के विकास तथा कमर्चारियों के मुद्दे के हल कराने का वादा किया ।

सभा में उपस्थित भिलाई इस्पात संयंत्र के कमर्चारियों ने सभा में उपस्थित पदाधिकारियों से कमर्चारियों से विभिन्न मुद्दो पर सवाल जवाब किया , जिसका निराकरण उपस्थित पदाधिकारियों ने किया। सभा में उपस्थित कई सदस्यों ने रक्तदान कर बीएकेएस की समाजिक प्रतिबद्धता की मिसाल पेश किया ।सभा के अंत मे सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने सामुहिक भोजन ग्रहण किया।

समाज में विशिष्ट योगदान देने वाले रक्तवीर अतुल सिंगरौल तथा एथलीट प्रवीण चाप्ले को यूनियन ने विशेष रुप से सम्मानित किया। सभा में उपस्थित पदाधिकारियों में अध्यक्ष अमर सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष रणधीर कुमार, उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह, महासचिव किशोर कुमार साव, उपमहासचिव नविन ध्रुव , कोषाध्यक्ष नवीन कुमार मिश्रा, उप कोषाध्यक्ष टिकेंद्र पटेल, बोकारो बीएकेएस के अध्यक्ष हरिओम तथा महासचिव दिलीप कुमार, कायर्कारिणी समिति में संतोष कुमार, विजय बहादुर सिंह, कीतिर्जा बल्ली, टिका राम हेंब्रम, बलराम राणा, एल एन दास, सुनील शर्मा, निशांत सुयर्वंशी, ब्रजेश, दिनेश कुमार पांडेय, प्रवीण चापले आदि प्रमुख थे।

नागरिक सहकारी बैंक डायरेक्टर पद के चुनाव में रुंगटा पैनल का परचम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित दुर्ग के कुल 12 में से 9 संचालक मंडल सदस्य पद (डायरेक्टर) के लिए शनिवार को हुए चुनाव में रुंगटा पैनल के 8 प्रत्याशियों ने धमाकेदार जीत दर्ज की, जबकि परिवर्तन पैनल को एक प्रत्याशी की जीत से ही संतोष करना पड़ा। जीत पर रुंगटा पैनल के प्रत्याशियों और समथर्कों ने गाजे बाजे की धुन में नाच गाकर अपनी खुशियों का इजहार किया। विजयी प्रत्याशियों को बधाईयों का तांता लगा हुआ है। संचालक मंडल सदस्य पद (डायरेक्टर) के घोषित चुनावी परिणाम के अनुसार सामान्य वर्ग से प्रत्याशी मनोज ताम्रकार, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, कमल नारायण रुंगटा, संजय सिंह, पवन कुमार जैन (बड़जात्या), राजेश यादव ने जीत दर्ज की है, वहीं महिला वर्ग के लिए आरक्षित पद पर सुनीता अग्रवाल और नीलू देवांगन ने अपना परचम लहराया है। पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित एक पद पर तेजबहादुर बंछोर ने शानदार जीत दर्ज की है। बता दें कि इस चुनाव में सनदी लेखाकार (चार्टर्ड एकाउटेंट) के लिए आरक्षित दो पद पर श्रीपाल कोठारी, अरविंद चंद सुराना और अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित एक पद पर श्रीमती वसुन्धरा चौरे पहले ही निविरोध निर्वाचित घोषित की गई है।

इस चुनाव में रुंगटा पैनल की कमान नवनिर्वाचित डायरेक्टर कमल रुंगटा संभाले हुए थे। चुनाव में रुंगटा पैनल से 10 प्रत्याशियों के जीत कर आने से रुंगटा पैनल में खुशियों का माहौल है। परिवर्तन पैनल का नेतृत्व नवनिर्वाचित डायरेक्टर राजेश यादव के हाथों में था। परिवर्तन पैनल से दो प्रत्याशी डायरेक्टर बने है। नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित दुर्ग के कुल 12 में से 9 संचालक मंडल सदस्य पद (डायरेक्टर) के लिए शनिवार को श्री गुर्जर क्षत्रिय गुजराती समाज भवन मोतीपारा में प्रत्यायुक्त सदस्यों ने उत्साह के साथ मतदान किया। मतदान के लिए सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे का समय निर्धारित किया गया था। कुल 96 प्रत्यायुक्त सदस्यों में 91 प्रत्यायुक्त सदस्यों ने मतदान में हिस्सा लिया। मतदान की यह प्रक्रिया मुख्य निर्वाचन अधिकारी देवाशीष दास के देखरेख में पूरी की गई। मतदान उपरांत मतों की गणना की गई।

मतगणना उपरांत मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनावी परिणाम घोषित किए गए और विजयी 9 प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। रिटर्निंग अधिकारी देवाशीष दास ने बताया कि बैंक के निर्वाचन के अंतिम चरण में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य सोसायटियों के प्रतिनिधियों व अन्य पदाधिकारियों के निर्वाचन के लिए 16 फरवरी को सूचना जारी की जाएगी। इन पदों पर निर्वाचन की प्रक्रिया 20 फरवरी को शाम 4 बजे से बैंक मुख्यालय अस्पताल वार्ड पचरीपारा में पूरी की जाएगी।

शासकीय नर्सिंग कॉलेज, दुर्ग के एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में दिन भर चला मंथन का दौर, सम्मानित किए गए मेधावी स्टूडेंट

नर्सेस निभाती हैं सही मायनों में महतारी का कर्त्तव्य: मंत्री गजेन्द्र यादव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शासकीय नर्सिंग कॉलेज, दुर्ग (स्व. चंदूलाल चंद्राकर शासकीय मेडिकल कॉलेज बिल्डिंग) की ओर से एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस (हाइब्रिड मोड) का आयोजन शनिवार को कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में किया गया। इस मौके पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव के साथ नर्सिंग व चिकित्सा के पेशे से जुड़े कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। आयोजन में नर्सिंग से जुड़े विभिन्न विषयों पर दिन भर अकादमिक प्रस्तुतिकरण और शोधपत्र वाचन का दौर चला। समापन में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने इस अवसर पर कहा कि नर्सिंग का पेशा समाज में सबसे सम्मानित कर्त्तव्य में गिना जाता है। उन्होंने कहा कि जब हम छत्तीसगढ़ महतारी की परिकल्पना करते हैं तो नर्सिंग समुदाय का चेहरा हमारे सामने दिखता है क्योंकि नर्स का सेवाभाव पूरी मानवता की जीवनरक्षा करता है। मंत्री यादव ने इस दौरान शासकीय नर्सिंग कॉलेज से जुड़ी विभिन्न मांगों के संदर्भ में विभागीय मंत्री से चर्चा करने का आश्वासन दिया।

इसके पहले अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन की चेयरपर्सन और शासकीय नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रीमा राजेश ने कान्फ्रेंस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने 2014 से चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज भवन में संचालित शासकीय नर्सिंग कॉलेज का अपना भवन व हॉस्टल नहीं होने से सामने आ रही व्यवहारिक कठिनाई की ओर भी अतिथियों का ध्यान आकृष्ट कराया।

उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलसचिव डॉ. दिनेश कुमार सिन्हा ने कहा कि आज इंटरनेट के दौर में हमारे सामने संसाधनों और माध्यमों की कमी नहीं है। बस जरूरत इस बात की है कि नर्सिंग समुदाय अपने आप को समय के अनुरूप अपडेट रखें और अपने ज्ञान में निरंतर वृद्धि करते रहें। छत्तीसगढ़ नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल, रायपुर की रजिस्ट्रार दुर्गावती कुंजाम ने नर्सिंग के पेशे आ रहे समयानुकूल बदलावों की चर्चा करते हुए कई उदाहरण दिए। उन्होंने नर्सिंग समुदाय से आह्वान किया कि वे दुनिया भर में इस क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान पर भी नजर रखें और उसी के अनुरूप खुद को ढालें। शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय रायपुर की प्राचार्य शैलू साजी ने अपने उद्बोधन में उम्मीद जताई कि इस अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस से नर्सिंग समुदाय को बहुत कुछ सीखने मिलेगा। विशेष अतिथि दुर्ग नगर पालिका निगम के पार्षद जेम्स साजन जोसेफ ने कहा कि नर्सिंग का पेशा समाज में सबसे पवित्र दायित्वों में से एक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शासकीय नर्सिंग कॉलेज दुर्ग से जुड़े विभिन्न विषयों पर मंत्री गजेंद्र यादव की पहल से जल्द सकारात्मक परिणाम सामने आएगा।

इस दौरान विभिन्न सत्रों में प्रमुख रूप से डॉ. नैन्सी फर्नांडीस परेरा एकेडमिक एडवाइजर, एसएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, वापी, पूर्व प्रिंसिपल, एलटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एसएनडीटी यूनिवर्सिटी, मुंबई,चेयरपर्सन डॉ. भावना चक्रवर्ती एसोसिएट प्रोफेसर गवनर्मेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, दुर्ग, डॉ. विष्णु रंजीत और रंजुला यशोधरन, डॉ. जिबी जॉर्ज सीईओ आदेश्वर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, जगदलपुर और डॉ. कल्पना भूषण जोशी एसोसिएट प्रोफेसर, गवनर्मेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, दुर्ग ने मार्गदर्शन दिया। अतिथियों ने प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाली नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए।

आयोजन को सफल बनाने में शासकीय नर्सिंग कॉलेज दुर्ग के समस्त प्राध्यापकों व स्टाफ का विशेष योगदान रहा। इनमें आयोजन सचिव सपना ठाकुर एसोसिएट प्रोफेसर, समन्वयक डॉ. वंदना चौहान, डॉ. ममता शशि साहू एसोसिएट प्रोफेसर और डॉ. कल्पना भूषण जोशी एसोसिएट प्रोफेसर व अन्य शामिल हैं।

यातायात पुलिस ने 2952 वाहन चालकों पर की चालानी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा एक फरवरी से जिले के 5 प्रमुख चौक-चौराहों पर विशेष वाहन जांच अभियान लगातार जारी है। जिसके तहत विगत 13 दिनों में 2952 वाहन चालकों पर मोटरयान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई है। साथ ही बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 1613 चालकों को ई-चालान जारी किया गया है वहीं मॉडिफाइड साइलेंसर लगे वाहन पर कार्रवाई, 5000 रुपये समंस शुल्क वसूला गया है।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा 1 फरवरी 2026 से जिले के 05 प्रमुख चौक-चौराहों पर सघन वाहन जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान हेलमेट, सीट बेल्ट, ट्रिपल सवारी, तेज गति, गलत दिशा में वाहन संचालन, नो-पार्किंग एवं अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। विगत 13 दिनों में कुल 2952 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई, जिसमें 1613 बिना हेलमेट वाहन चालकों को ई-चालान जारी किया गया। चालान जारी होने के पश्चात निर्धारित समय में भुगतान नहीं करने वाले वाहन चालकों को नियमानुसार नोटिस जारी किया जा रहा है। भुगतान नहीं किए जाने की स्थिति में संबंधित प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे। 14 फरवरी 2026 को प्राप्त जनशिकायत के आधार पर मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले बुलेट वाहन क्रमांक सीजी 07 सीवाय 4558 को रोककर जांच की गई। वाहन चालक कमल कुमार रजक, निवासी हाटरी बाजार, दुर्ग के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम की धारा 182(ए) के अंतर्गत 5000 रुपये का चालान किया गया तथा मॉडिफाइड साइलेंसर को जप्त किया गया।

मजबूत समाज के निर्माण से ही समृद्ध और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मजबूत समाज से ही समृद्ध और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। सामाजिक समरसता, जागरूकता और सामूहिक चिंतन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी जा सकती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम खारीझरिया में आयोजित झरिया यादव महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री साय ने खारीझरिया में मंगल भवन एवं सांस्कृतिक मंडप निर्माण की घोषणा की। साथ ही बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ऐसे महासम्मेलन सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और समाज को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान, शिक्षा और समग्र विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए समाज के प्रबुद्धजनों से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में विशेष प्रयास कर रही है। आज प्रत्येक विकासखंड में महाविद्यालय संचालित हैं तथा प्रदेश में मेडिकल, इंजीनियरिंग और लॉ जैसे महत्वपूर्ण संस्थान उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय महत्व के संस्थान भी निरंतर स्थापित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यादव समाज की गौसेवा की परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि भगवान

श्रीकृष्ण के वंशज के रूप में समाज ने सदियों से गौवंश संरक्षण और सेवा का अनुकरणीय कार्य किया है। उन्होंने नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए भी आगे आने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदेश की जनता से की गई अधिकांश गारंटियों को पूरा किया गया है। प्रथम कैबिनेट निर्णय में 18 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए, जिससे प्रदेश में आवास क्रांति की शुरुआत हुई। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत लगभग 70 लाख माताओं–बहनों के खातों में अब तक 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। कृषक उन्नति योजना के तहत 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की जा रही है तथा होली पर्व से पूर्व अंतर की राशि किसानों को प्रदान की जाएगी।वनवासी परिवारों के हित में तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4000 रुपये से बढ़ाकर 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की गई है, जिससे संग्राहक परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है।

11.75 करोड़ के 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में 11 करोड़ 75 लाख 94 हजार रुपये की लागत से 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इनमें 9 करोड़ 42 लाख 48 हजार रुपये की लागत के 5 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा 2 करोड़ 33 लाख 46 हजार रुपये की लागत के एक विकास कार्य का लोकार्पण शामिल है। कार्यक्रम में झरिया यादव समाज के प्रदेशाध्यक्ष जगनिक यादव सहित समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

खास खबर

मिड डे मील योजना बंद होने के कगार पर : वंदना राजपूत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता वंदना राजपूत ने भारतीय जनता पार्टी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मिड डे मील योजना को बंद करने का भाजपा सरकार षड्यंत्र कर रही है। पिछले 40 दिनों से बच्चों को पोषण आहार नहीं मिल रहा है जिसके कारण बच्चों की स्कूलों में उपस्थिति कम होती जा रही है। मिड डे मील योजना स्कूली बच्चों में कुपोषण, भूख और शिक्षा की कमी जैसे समस्याओं के समाधान के लिए शुरू किया गया था, जिसमें सरकार को सफलता भी मिल रही थी लेकिन वर्तमान भाजपा के सरकार में स्पष्ट नीति नहीं होने के कारण मध्यान भोजन बंद होने के कगार पर आ गया है। पिछले लगभग 40 दिनों से बच्चों को मध्यान्ह भोजन नहीं मिल पा रहा है।

कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि रसोईया संघ प्रदेश व्यापी हड़ताल पर पिछले लगभग 40 दिनों से है। हड़ताल के दौरान दो महिलाओं की मौत हो जाती है, कई महिलाओं की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। भाजपा, भाषण में महिला सशक्तिकरण पर बड़ी–बड़ी और लुभावने बातें करते हैं लेकिन धरातल पर महिलाएं अपने अधिकार की लड़ाई लड़ते–लड़ते मर रही है। दो महिलाओं की मौत के बाद भी सरकार नींद से नहीं जागी और न जाने कितने मौत का इंतजार कर रही है। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि रसोईया संघ के प्रदेश व्यापी हड़ताल पर सरकार मौन है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई नियत दिखाई नहीं पड़ती है। उनकी मांगों की सुनवाई या वार्तालाप हेतु अभी तक कोई अधिकृत अधिकारी इन रसोईया संघ से संपर्क नहीं किए हैं। भारतीय जनता पार्टी के तानाशाही सरकार में सभी वर्ग के कर्मचारी परेशान है। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि विष्णु देव साय सरकार के उदासीनता के कारण मध्यान भोजन बंद होने के कगार पर है। छत्तीसगढ़ प्रदेश के गरीब वर्ग के बच्चों को कुपोषण और अज्ञानता की ओर धकेला जा रहा है।

जाम नाली की सफाई, निगम ने कचरा हटाकर सुगम किया जल निकास

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 3 स्वास्थ्य विभाग को अवरुद्ध सार्वजनिक नाली से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर पालिक निगम आयुक्त विश्वदीप द्वारा दिए गए आदेशानुसार और नगर पालिक निगम जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह के निर्देश पर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 3 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नगर निगम जोन 3 क्षेत्र अंतर्गत शंकर नगर चौक मुख्य मार्ग सिग्नल के पास अवरुद्ध सार्वजनिक नाली की सफाई करवाकर तत्काल कचरा और गन्दगी उठवाकर सुगम निकास कायम करते हुए जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा बाबत स्वच्छता कायम करते हुए स्थल में नगर पालिक निगम जोन 3 जोन स्वास्थ्य अधिकारी पूरन कुमार ताण्डी की उपस्थिति में करते हुए प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।

आत्मनिर्भरता और तकनीकी समृद्धि की नई राह खोलेगा एग्रीटेक कृषि मेला : गुरु खुशवंत साहेब

जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव और एग्रीटेक कृषि मेला 2026 का हुआ भव्य समापन

नई दृष्टिबिंदु / ०००

जांजगीर–चांपा जिला में 11 से 13 फरवरी तक शासकीय हाईस्कूल मैदान, जांजगीर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, जर्वे में आयोजित तीन दिवसीय जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2026 का समापन कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर अतिथियों द्वारा जाज्वल्या 2026 स्मारिका का विमोचन किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले स्कूली छात्र–छात्राओं एवं स्थानीय कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पंथी नृत्य एवं मल्लखंभ की आकर्षक प्रस्तुतियां भी दी गई।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि एग्रीटेक कृषि मेला 2026 किसानों और युवाओं के लिए नवाचार का महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि जांजगीर–चांपा कृषि की समृद्ध धरती है, जहां परंपरा और आधुनिक तकनीक

का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक, आधुनिक कृषि उपकरणों एवं नवीन तकनीकों के उपयोग से किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा युवाओं को एग्री–उद्यमी बनने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिले के कृषक तकनीकी नवाचार अपनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होंगे।

सामाजिक न्याय और कौशल विकास पर जोर

मंत्री श्री साहेब ने कहा कि समाज का कोई भी वर्ग मुख्यधारा से पीछे न रहे, यह सरकार का संकल्प है। कौशल विकास एवं आर्थिक अवसरों के माध्यम से सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने आधुनिक तकनीक, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से एआई एवं नई तकनीकों में दक्ष बनने का आह्वान किया।

किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है सरकार

मंत्री साहेब ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों की समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। धान के समर्थन मूल्य से लेकर नई कृषि नीतियों तक अनेक योजनाएं किसानों के हित में संचालित की जा रही हैं। साथ ही छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भी सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

समापन समारोह में जांजगीर–चांपा विधायक ब्यास कश्यप, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, अध्यक्ष खनिज विकास निगम सौरभ सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवागढ़वाल, पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले, पूर्व सांसद गुहाराम अजगल्ले सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त कलेक्टर जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय, जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, किसान कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प

कार्यक्रम के अंत में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2026 के सफल आयोजन के लिए आयोजकों एवं प्रतिभागियों को बधाई देते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प दोहराया। यह आयोजन प्रदेश में कृषि, तकनीक और लोक संस्कृति के समन्वित विकास का प्रतीक बनकर उभरा है।

राजिम कुंभ कल्प–निकली नागा साधुओं की शाही शोभायात्रा

नई दृष्टिबिंदु / ०००

राजिम में आयोजित राजिम कुंभ कल्प के अंतिम दिवस महाशिवरात्रि पर आस्था, परंपरा और शौर्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। नागा साधुओं और विभिन्न अखाड़ों के संतों ने संत समागम स्थल से सुबह 7 बजे ऐतिहासिक शाही शोभायात्रा निकाली। राउत नाचा, डीजे धुमाल, नगाड़ों की गूंज, जयघोष और भक्तिमय वातावरण के बीच निकली यह शोभायात्रा श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रही।

शोभायात्रा संत समागम स्थल से प्रारंभ होकर श्री कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर के पीछे मार्ग से नेहरू बाल उद्यान, राजिम पुल, पं. सुंदरलाल शर्मा चौक, गौरवपथ और वीआईपी मार्ग होते हुए मेला परिसर स्थित शाही कुंड पहुंची। मार्ग में राजिम और नवापारा के विभिन्न

चौक–चौराहों पर पुष्पवर्षा कर संतों का भव्य स्वागत किया गया। सुसज्जित पालकियों, शाही बग्घियों और घोड़ों पर सवार संतों की गरिमामयी उपस्थिति ने शोभायात्रा को अलौकिक स्वरूप दिया। नागा बाबाओं ने तलवार, फरसा और अन्य अस्त्र–शस्त्रों के साथ शौर्य प्रदर्शन कर उपस्थित श्रद्धालुओं को रोमांचित कर दिया। अखाड़ों की परंपरागत युद्धकला और अनुशासन का प्रदर्शन देखते ही बन रहा था।

शाही कुंड पहुंचकर नागा साधुओं ने विधि–विधान से शस्त्र पूजन किया और जयघोष के बीच कुंड में आस्था की डुबकी लगाई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, राजिम विधायक रोहित साहू और अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी ने भी नागा साधुओं के साथ शाही स्नान किया। शाही शोभायात्रा में श्री पंच दशनामी सन्यासी अखाड़ा, अखिल भारतीय पंच रामानंदी वैष्णव अखाड़ा सहित विभिन्न अखाड़ों और पंथों के संत शामिल हुए। विदेशी पर्यटकों ने भी इस अद्भुत दृश्य का आनंद लिया। विभिन्न देशों से पहुंचे विदेशी पर्यटक इस दृष्य को अपने कैमरे में कैद करते दिखे। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम के बीच पूरा आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

30 जोड़ों ने किया सामूहिक लघु रुद्राभिषेक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी के तात्यापारा स्थित 1100 वर्ष प्राचीन दक्षिणमुखी श्री हनुमान मंदिर में महाशिवरात्रि का पर्व इस वर्ष अत्यंत श्रद्धा, अनुशासन और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। मंदिर समिति द्वारा आयोजित विशेष सामूहिक लघु रुद्राभिषेक में 30 जोड़ों ने एक साथ बैठकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का विधि–विधान से अभिषेक किया।

आयोजन मंदिर समिति के अध्यक्ष संदीप राजिमवाले, उपाध्यक्ष दीपक किरवईवाले, सचिव अनिल गनोदवाले, सह–सचिव सौरभ देव, कोषाध्यक्ष चंद्रकांत मोहदीवाले, प्रमुख सलाहकार मिलिंद शेष, महिला प्रमुख सुरेखा हिशीकर के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मुख्य पुजारी संदीप देशपांडे द्वारा अनुष्ठान का सुचारू संचालन किया गया।

श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है बाबा धाम : मुख्यमंत्री साय, सत्यनारायण बाबा धाम में की पूजा–अर्चना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ रायगढ़ प्रवास के दौरान देर रात एक बजे ग्राम कोसमनारा स्थित श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा धाम पहुंचे। उन्होंने भगवान भोलेनाथ एवं श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा की विधिवत पूजा–अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश वासियों को महाशिवरात्रि पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कोसमनारा स्थित यह धाम श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा समाज को सकारात्मक दिशा और आत्मबल प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गुरुजनों के आशीर्वाद और जनता के विश्वास के साथ जनकल्याण के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रही है।

उल्लेखनीय है कि रायगढ़ जिला मुख्यालय से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित यह धाम वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा एवं भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय जनश्रुति के अनुसार, श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा वर्ष 1998 से कठोर तपस्या में लीन हैं। वर्ष 2003 में उन्हें श्री श्री 108 की उपाधि प्राप्त हुई, जिसके बाद धाम की ख्याति और अधिक बढ़ी। बताया जाता है कि बाबा ने पत्थरों को एकत्र कर शिवलिंग का स्वरूप निर्मित किया और उसी स्थान को अपनी तपोभूमि बनाया। वर्षा, ग्रीष्म और शीतकृतीनों ऋतुओं में खुले स्थान पर रहकर भगवान भोलेनाथ की साधना करना उनकी तपस्या की विशेष पहचान बन चुकी है। इस अवसर पर महापौर जीवर्धन चौहान, नगर निगम सभापति डिग्रीलाल साहू, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, सरपंच, गणमान्य नागरिक, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

सौगात

महाशिवरात्रि पर बाबा धाम में मुख्यमंत्री ने की 1.20 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास

जिला खनिज न्यास मद के अंतर्गत 1 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया। प्रस्तावित कार्यों में मुख्य भवन के सामने ग्रेनाइट फर्श सहित शेड निर्माण, आगंतुकों के विश्राम एवं भोजन के लिए शेड निर्माण, शौचालय परिसर भवन का निर्माण तथा पार्किंग क्षेत्र के लिए सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण शामिल हैं। उन्होंने इन कार्यों के लिए

प्रशिक्षक — स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया शुभारंभ

870 प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी के तत्वावधान में माना स्थित पुलिस प्रशिक्षण संस्थान में 870 प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए एक अभिनव संवादात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव द्वारा किया गया। इस पहल में पुलिस अकादमी चंदखुरी में प्रशिक्षणरत 537 उपनिरीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय माना के 54 सूबेदार, 211 प्लाटून कमांडर तथा 68 उपनिरीक्षक (एसबी) शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि इन प्रशिक्षुओं के बुनियादी प्रशिक्षण का शुभारंभ 3 मार्च 2025 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया था। वर्तमान में इनकी अंतिम परीक्षाएं संचालित की जा रही हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत सभी अधिकारियों को एक वर्ष के जिला व्यवहारिक प्रशिक्षण हेतु प्रदेश के विभिन्न जिलों में पदस्थ किया जाएगा। इस विशेष संवादात्मक कार्यक्रम की रूपरेखा उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा तथा पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम के मार्गदर्शन में तैयार की गई है।कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को शासन की नीतियों, प्रशासनिक दृष्टिकोण और

जनसेवा के मूल्यों से सीधे परिचित कराना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भारत में पुलिस व्यवस्था के ऐतिहासिक विकास, वर्तमान चुनौतियों तथा आधुनिक पुलिसिंग की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षु अधिकारी विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि आपदा, दुर्घटना, महामारी एवं आपात स्थितियों में दोनों विभागों का संयुक्त प्रयास नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करता है। कोविड–19 महामारी के दौरान पुलिस और स्वास्थ्यकर्मियों की सेवा को उन्होंने राष्ट्रसेवा का अनुकरणीय उदाहरण बताया। उन्होंने प्रशिक्षुओं से शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने का आह्वान करते हुए कहा कि एक सशक्त और स्वस्थ पुलिस बल ही समाज को प्रभावी सुरक्षा प्रदान कर सकता है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने भी प्रशिक्षुओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक पुलिस अधिकारी के लिए सतत अध्ययन, विधिक समझ, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता अत्यंत आवश्यक है। ज्ञान और मानवीय दृष्टिकोण का संतुलन ही एक उत्कृष्ट पुलिस अधिकारी की पहचान है। कार्यक्रम में निदेशक अजय यादव ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि यह संवादात्मक पहल प्रशिक्षण को अधिक व्यवहारिक, प्रेरणादायक और जनोन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इस श्रृंखला के माध्यम से प्रशिक्षुओं को शासन की प्राथमिकताओं, प्रशासनिक समन्वय तथा जन–अपेक्षाओं की गहन समझ प्राप्त होगी।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. पंकज शुक्ला, पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिंज, उप पुलिस अधीक्षक इरफान काजी सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रशिक्षण संस्थान के अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों में कर्तव्यनिष्ठा, सेवा–भाव, संवेदनशीलता और सुशासन के मूल्यों को सुदृढ़ करना है, जिससे वे भविष्य में प्रदेश की कानून व्यवस्था को और अधिक सशक्त, पारदर्शी एवं जनविश्वासयुक्त बना सकें।

चावल उत्सव 20 फरवरी से खाद्य विभाग ने दी जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ से इस वक्त की बड़ी खबर आ रही है। खबर यह है कि, इस साल चावल उत्सव 20 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। हर साल 7 फरवरी को होने वाला यह आयोजन इस बार देरी से हो रहा है। चलिए विस्तार से पूरा मामला बताते हैं। छत्तीसगढ़ में इस साल चावल उत्सव 20 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। हर साल 7 फरवरी को होने वाला यह आयोजन इस बार देरी से हो रहा है।

खाद्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ऋक्क्ड टेंडर में देरी होने की वजह से कार्यक्रम की तारीख आगे बढ़ानी पड़ी है। अब राज्यभर की राशन दुकानों में एक साथ चावल वितरण की तैयारी की जा रही है। सरकार की योजना के तहत प्रदेश की करीब 14 हजार राशन दुकानों में चावल का वितरण किया जाएगा। खास बात यह है कि इस बार हितग्राहियों को फरवरी और मार्च, दोनों माह का चावल एक साथ दिया जाएगा। इससे उपभोक्ताओं को बार–बार दुकान के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और वितरण प्रक्रिया भी व्यवस्थित तरीके से पूरी हो सकेगी।

अधिकारियों का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया में देरी के कारण चावल उत्सव तय समय पर नहीं हो सका। FRK की आपूर्ति से जुड़े टेंडर समय पर फाइनल नहीं हो पाए थे। अब सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं और 20 फरवरी को राज्यव्यापी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। फिलहाल प्रदेश की करीब साढ़े 6 हजार राशन दुकानों में नियमित रूप से चावल का वितरण जारी है।

संपादकीय

अमेरिका के साथ व्यापार संधि

लाख टके का सवाल है आज अमेरिका के साथ जिस व्यापार संधि की बात है उसका असल कौन जानता है? क्या कैबिनेट में विचार हुआ? मंत्रियों के समूह, सचिवों के समूह में विचार हुआ? सवाल यह भी है कि अकेले अमेरिका के राष्ट्रपति ने समझौते की घोषणा क्यों की? क्यों फिर एक घंटे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप का आभार जताया, पुष्टि की? साझा घोषणा क्यों नहीं हुई? याद करें इसी तरह ट्रंप ने एकतरफा तरीके से 10 मई 2025 को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान किया था। उसके आधे घंटे के बाद भारत की ओर से एक मिनट से भी कम की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसमें सीजफायर की पुष्टि की गई थी। इसी तरह ट्रंप ने ही ऐलान किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और यह भी ऐलान किया कि भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा।

सवाल है जब साझा बयान तैयार नहीं है, समझौते की बातचीत पूरी तरह से फाइनल नहीं हुई है और तत्काल कोई प्रावधान लागू नहीं हो रहा था तो सोमवार, दो फरवरी की देर रात को इसकी घोषणा की क्या जरुरत थी? ध्यान रहे वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अगले चार पांच दिन में साझा बयान तैयार हो जाएगा और उसकी घोषणा हो जाएगी। इसके बाद एक हफ्ते में भारत पर लगा टैरिफ कम होगा और मार्च के मध्य में 'पहला ट्रांचइ यानी समझौते के पहले हिस्से की घोषणा होगी। ऐसे में क्या यह उचित नहीं होता कि जब साझा बयान तैयार हो जाए तभी एक साथ उसकी घोषणा होती? पीयूष गोयल ने कहा है कि साझा बयान पर दस्तखत वर्चुअल तरीके से हो सकता है। जब ऐसा ही होना है तब तो यह और भी अच्छी स्थिति थी कि इंतजार किया जाता और एक साथ समझौते की घोषणा होती!

लेकिन आनन फानन में दो फरवरी की रात को सवा नौ बजे के करीब भारत में अमेरिकी राजदूत सजियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात हुई है। उन्होंने लोगों को जुड़े रहने को भी कहा। इसके थोड़ी देर के बाद रात 10 बजे के करीब राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लंबी पोस्ट लिख कर कहा कि भारत के साथ समझौता हो गया। इसके एक घंटे बाद रात 11 बज कर दो मिनट पर प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी पुष्टि की। ध्यान रहे सोमवार को दिन में राहुल गांधी संसद में पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब का अंश लेकर संसद में पहुंचे थे और अपने भाषण में इसे उठाने का प्रयास किया था।

हालांकि उनको बोलने नहीं दिया गया लेकिन सबको पता चल गया कि 31 अगस्त 2020 की रात को क्या हुआ था। कैसे भारत के राजनीतिक नेतृत्व ने सेना और सेना प्रमुख को उनके हाल पर छोड़ दिया था। उसी दिन रात में समझौते की खबर आई। लेकिन राहुल गांधी पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा। वे अगले दिन किताब लेकर संसद में पहुंचे और यह भी कहा कि 'प्रधानमंत्री कंप्रोमाइज्ड हैंइ। राहुल ने कहा कि अमेरिका ने एपस्टीन फाइल्स की बहुत सी बातें अभी सार्वजनिक नहीं कीं। उनके मुताबिक एपस्टीन फाइल्स और अडानी के ऊपर मुकदमे की वजह से प्रधानमंत्री दबाव में हैं और इस वजह से समझौता हुआ है। पता नहीं हकीकत क्या है लेकिन सरकार की हड़बड़ी और टाइमिंग पर निश्चित रूप से सवाल खड़े होते हैं। हड़बड़ी की बात इसलिए है क्योंकि समझौते की घोषणा के चार दिन बाद तक किसी को पता नहीं है कि इसमें क्या है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में भी बता दिया है कि समझौता हो गया है और इसमें किसानों, पशुपालकों सहित देश के हर वर्ग के हितों का ख्याल रखा गया है।

नन्हे कदम, सशक्त भारत आंगनबाड़ी केंद्रों का रूपांतरण

शिक्षा, पोषण, सुरक्षा और रोजगार का समन्वित मॉडल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारत का भविष्य जिन नन्हे कदमों पर आगे बढ़ता है, वे आज देशभर के आंगनबाड़ी केंद्रों में आत्मविश्वास, जिज्ञासा और मुस्कान के साथ नई दिशा पा रहे हैं। कभी केवल पोषण और देखभाल तक सीमित माने जाने वाले आंगनबाड़ी केंद्र आज प्रारंभिक बाल शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक चेतना और ग्रामीण रोजगार के बहुआयामी केंद्र के रूप में उभर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के महासमुंद, धमतरी, मुंगेली और नारायणपुर जैसे जिलों में दिखाई दे रहा यह परिवर्तन अब राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रेरक मॉडल के रूप में स्थापित हो रहा है।

भवन ही शिक्षक: बिल्डिंग ऐज लर्निंग एड की जीवंत अवधारणा

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और महिला एवं बाल विकास विभाग के अभिशरण से निर्मित नवीन आंगनबाड़ी भवनों ने Building as LeÔrning Aid (BALA) की अवधारणा को जमीनी स्तर पर साकार कर दिया है।11.69 लाख रुपए की लागत से निर्मित प्रत्येक भवन में दीवारों, फर्श, सीढ़ियों, दरवाजों और खुली जगहों को शिक्षण माध्यम के रूप में विकसित किया गया है। हिंदी-अंग्रेजी वर्णमाला, अंक, आकृतियाँ, दिशाएँ, जीव-जंतु, स्थानीय परिवेश और सामान्य ज्ञान से जुड़ी चित्रकारी बच्चों को खेल-खेल में सीखने का अवसर प्रदान कर रही है।अब आंगनबाड़ी भवन स्वयं एक शिक्षक बन चुके हैं जहाँ हर दीवार एक पाठशाला है।

धमतरी का बाला मॉडल

प्रारंभिक बाल शिक्षा को रोचक और प्रभावी बनाने की दिशा में धमतरी जिले का बाला मॉडल एक उल्लेखनीय उदाहरण बनकर उभरा है। मनरेगा, महिला एवं बाल विकास विभाग (ICDS) और 15वें वित्त आयोग के सहयोग से जिले में 81 बाला आधारित आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण प्रारंभ किया गया है, जिनमें से 51 केंद्र पूर्ण हो चुके हैं।विकासखंड धमतरी के ग्राम उड़ेंना में निर्मित आंगनबाड़ी केंद्र इसका सशक्त उदाहरण है, जहाँ दृश्य-आधारित शिक्षण से विशेष पिछड़ी जनजाति कमार वर्ग के बच्चे सहज रूप से ज्ञान अर्जित कर रहे हैं। दीवारों पर स्थानीय संस्कृति, गणितीय अवधारणाएँ, भाषा चार्ट, फर्श पर रंग-आकार और सीढ़ियों पर गिनतीकृहर संरचना बच्चों में जिज्ञासा, स्मरण शक्ति और सीखने की रुचि बढ़ा रही है।

शिक्षा व रोजगार का सृजन

इन आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण मनरेगा के अंतर्गत होने से एक ओर गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना का विकास हुआ है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण श्रमिकों को स्थायी रोजगार मिला है। मजदूरी से ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि हुई है और पलायन पर प्रभावी नियंत्रण संभव हुआ है।इस प्रकार आंगनबाड़ी निर्माण केवल बाल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण का भी सशक्त मॉडल बन गया है।

खेल-खेल में शिक्षा से खिलखिलाता बचपन

महासमुंद के शहरी सक्षम केंद्रों से लेकर नारायणपुर के सुदूर वनांचल के ग्राम कुंदला तक, आंगनबाड़ी केंद्रों में आया यह बदलाव स्पष्ट दिखाई देता है। रंग-बिरंगी दीवारें, शैक्षणिक चार्ट, कविताएँ, खेल सामग्री और बच्चों की खिलखिलाती हँसी ने आंगनबाड़ी को आधुनिक प्ले-स्कूल जैसा वातावरण प्रदान किया है। बच्चे भाषा, गणित और व्यवहारिक ज्ञान को आनंदपूर्वक सीख रहे हैं और स्वयं उत्साह के साथ केंद्र आ रहे हैं।

पोषण, स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना का केंद्र

आंगनबाड़ी केंद्र आज बच्चों तक सीमित न रहकर गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और किशोरी बालिकाओं के लिए भी पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण और परामर्श का प्रमुख केंद्र बन गए हैं।दीवारों पर अंकित संदेश जितनी अच्छी वजन की रेखा, उतना स्वस्थ बच्चा औरलड़का-लड़की एक समानआंगनबाड़ी को सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी मंच भी बना रहे हैं।

कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, नोनी सुरक्षा योजना और महतारी वंदन योजना जैसी योजनाओं का क्रियान्वयन आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से प्रभावी रूप से हो रहा है।इससे माताओं और बालिकाओं के अधिकारों को संस्थागत मजबूती मिल रही है।

स्वच्छता, सुरक्षा और सामुदायिक सहभागिता

आरओ जल व्यवस्था, स्वच्छ रसोई, खेलघर, पर्याप्त खेल सामग्री और नियमित साफ-सफाई ने आंगनबाड़ी केंद्रों को सुरक्षित और बाल-अनुकूल बनाया है। महतारी समितियों की सक्रिय सहभागिता से बच्चों की उपस्थिति और सीखने की निरंतरता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर सशक्त कदम

आंगनबाड़ी केंद्रों का यह रूपांतरण राष्ट्रीय शिक्षा नीति और पोषण अभियान के लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर साकार कर रहा है।11.69 लाख रुपए की लागत से निर्मित प्रत्येक आंगनबाड़ी भवन आज बच्चों के सर्वांगीण विकास, महिलाओं के सशक्तिकरण और ग्रामीण रोजगार सृजन का समन्वित मॉडल बन चुका है।आज आंगनबाड़ी केंद्र वास्तव में बच्चों की पहली पाठशाला बन गए हैं जहाँ शिक्षा, पोषण, सुरक्षा और रोजगार एक साथ मिलकर सशक्त, समावेशी और विकसित भारत की मजबूत नींव रख रहे हैं।

बांग्लादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ

कमलेश पांडेय

बांग्लादेश में प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने फरवरी 2026 के संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की है। उसने 300 सीटों में से 151 से 209 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। इससे बंगलादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ स्पष्ट हैं, क्योंकि यह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के पतन के बाद पहला बड़ा चुनाव है, जो 2024 के छात्र-आंदोलन से उभरा था। चूंकि बीएनपी पहले से सत्ता में रहती आई है, इसलिए उसकी जीत के वैश्विक मायने भी हैं। वह यह कि पार्टी कमोबेश पूर्व प्रधानमंत्री स्व.बेगम खालिदा जिया के अधूरे सपनों को ही साकार करेगी। वो भी तब जब उनके पुत्र तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। देखा जाए तो बीएनपी ने जमात-ए-इस्लामी को काफी पीछे छोड़ते हुए प्रचंड जीत दर्ज की है, जहां जमात को महज 42-68 सीटें ही मिलीं हैं। इसप्रकार तारिक रहमान, जो कि बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, देश के संभावित प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

बीएनपी की जीत की वजह यह है कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, भ्रष्टाचार विरोध और विदेशी निवेश पर जोर दिया है। इससे भारत के लिए सियासी मायने भी साफ हैं। भले ही भारत-बीएनपी संबंध ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर पाकिस्तान और जमात से बीएनपी के पुराने गठजोड़ के कारण। इसलिए उनकी जीत से भारत को सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अस्थिरता और चरमपंथी समूहों की चिंता बढ़ सकती है, हालांकि बीएनपी समानता-आधारित संबंधों का वादा कर रही है। खासकर हसीना युग के बाद विदेश नीति में बदलाव से व्यापार, जल बंटवारा और कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है।

वहीं बीएनपी की जीत से दुनिया के लिए भी सियासी मायने साफ हैं। बीएनपी की जीत बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता ला सकती है, लेकिन विदेश नीति में संतुलन अपनाने से चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत हो सकते हैं। वहीं दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक बदलाव संभव है, जहां भारत के प्रभाव में कमी और चीन के निवेश ($2.1 बिलियन) बढ़ सकता है। वैश्विक रूप से, यह क्षेत्रीय गठबंधनों को प्रभावित कर सकता है, खासकर म्यांमार शरणार्थी और आर्थिक सुधारों के संदर्भ में।

यह ठीक है कि भारत और बीएनपी के बीच संबंध सुधारने के प्रयास चुनाव से पहले ही शुरू हो चुके हैं, जिसमें एस जयशंकर की तारिक रहमान से "बहुत मैत्रीपूर्ण" चर्चा शामिल है। हालांकि हसीना के भारत में रहने से तनाव बरकरार है, फिर भी दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने को इच्छुक दिख रहे हैं। इसलिए संभावित सुधार के कदम उठाये जा सकते हैं। खासकर राजनयिक संपर्क बढ़ाना, क्योंकि भारत ने बीएनपी नेताओं से मुलाकातें कीं, जैसे प्रणय वर्मा की मीरजा फखरुल से, जहां बीएनपी ने भारत की सुरक्षा हितों का सम्मान करने का आश्वासन दिया।

वहीं, व्यापार और वीजा बहाली के दृष्टिगत यात्रा, व्यापार और वीजा प्रतिबंध हटाने पर फोकस किया जा सकता है, जो हसीना के बाद बाधित हो गए थे। खासकर जल बंटवारा और सीमा मुद्दे हल करना यानी बीएनपी पानी बंटवारे और सीमा हत्याओं (जैसे फेलानी घटना) पर जोर दे रही है। इसलिए कुछ चुनौतियां भी आएंगी, क्योंकि बीएनपी हसीना की प्रत्यर्पण की मांग कर रही है, जिसे भारत शरण दे रहा है, इससे जन-भावना भी प्रभावित हो रही है।

वहीं, जमात-ए-इस्लामी का प्रभाव और पाक-चीन झुकाव भारत की चिंता बढ़ा सकता है। फिर भी भविष्य की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। चूंकि बीएनपी "समानता-आधारित" पड़ोसी संबंधों का वादा कर रही है, जबकि भारत अल्पसंख्यक सुरक्षा और चरमपंथ विरोध की शर्त रख रहा है। इसलिए विशेषज्ञों के अनुसार, व्यावहारिक आवश्यकताएं रीसेट सुनिश्चित करेंगी, लेकिन ऐतिहासिक अविश्वास दूर करने में समय लगेगा।

यद्यपि तारिक रहमान, जो बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, और भारत के प्रति संयमित और तटस्थ रुख अपनाते दिख रहे हैं, जो अतीत के तनावपूर्ण रिश्तों से अलग है। वे समानता-आधारित पड़ोसी संबंधों पर जोर देते हैं, लेकिन शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग रखते हैं। उनका मुख्य स्टैंडपॉइंट्स यह है कि अल्पसंख्यक सुरक्षा और स्थिरता के नजरिए से वो अपने भाषणों में अहिंसा, कानून के राज और हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का वादा किया, जो भारत की चिंताओं को संबोधित करता है।

वहीं, समानता का जोर के मद्देनजर "बराबरी के रिश्ते" चाहते हैं, इसलिए उन्होंने पुरानी असमानताओं (जैसे जल बंटवारा, सीमा हत्याएं) पर बात उठाई, लेकिन टकराव से बचते हैं। हाँ, भारत में शरण लेने वाली हसीना को वापस लाने की मांग, जो सबसे बड़ा विवादास्पद मुद्दा है। हालांकि हालिया संकेत यही है कि ढाका लौटने के बाद उनके संयमित भाषण को खुफिया एजेंसियां "इंडिया-न्यूट्रल" मान रही हैं, जो 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से अलग है। लिहाजा भारत के साथ सहयोग संभव, लेकिन पाकिस्तान-चीन झुकाव और जमात प्रभाव चिंता का विषय है। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि व्यावहारिकता से रिश्ते सुधर सकते हैं।

देखा जाए तो तारिक रहमान के हालिया भाषणों में भारत का सीधा जिक्र बहुत कम या न के बराबर आया है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से सकारात्मक संकेत दिए गए हैं। वहीं उनके भाषणों की मुख्य शैली में भारत का प्रत्यक्ष उल्लेख न करना समाहित है। खासकर ढाका लौटने (25 दिसंबर 2025) के 17 मिनट के पहले भाषण में भारत का नाम नहीं लिया, लेकिन अल्पसंख्यक सुरक्षा (हिंदू, बौद्ध आदि), अहिंसा और कानून के राज पर जोर दिया—जो भारत की प्रमुख चिंताओं को संबोधित करता है।

वहीं, "बांग्लादेश फर्स्ट" नारा यानी "ना दिल्ली, ना रावलपिंडी, सबसे पहले बांग्लादेश" कहकर तटस्थ विदेश नीति का संकेत दिया, जो पुराने भारत-विरोधी रुख से अलग है। उनके सकारात्मक संदेश साफ हैं। वो ये कि अंग्रेजी में अंतरराष्ट्रीय अपील की, समावेशी बांग्लादेश का खाका पेश किया, जो खुफिया एजेंसियों ने "री-अश्योरेंस सिग्नल" माना। देखा जाए तो उनके ये भाषण बीएनपी की री-ब्रांडिंग का हिस्सा हैं, जहां 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से दूरी दिखाई गई। कूटनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, यह भारत के साथ संबंध सुधारने का रणनीतिक संकेत है, हालांकि हसीना प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे लंबित हैं।

ममता बनर्जी के वकील की भूमिका

एसआईआर गंभीर विसंगतियों से ग्रस्त रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से खामियां दूर करने में कई बार मदद मिली, लेकिन बुनियादी मुद्दे हल नहीं हुए। ममता बनर्जी के वकील की भूमिका अपनाने से भी ऐसा होने की संभावना कम ही है।

ममता बनर्जी इस मामले में अनूठी राजनेता हैं कि सत्ता के ऊंचे पदों पर रहने के बावजूद उन्होंने अपनी जूझारू भूमिका कभी नहीं छोड़ी। 15 साल से मुख्यमंत्री हैं, लेकिन इस दौरान उनकी गतिविधियों ने कोलकाता की सड़कों को कभी सियासी तौर पर सूना नहीं होने दिया। इस बीच बुधवार को उन्होंने नया चोला पहना। युवावस्था में ली गई कानून की डिग्री का उपयोग करते हुए वे सुप्रीम कोर्ट में बतौर वकील पेश हुईं। इस तरह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ अपनी लड़ाई को उन्होंने नया मुकाम दिया।

इसके पहले पश्चिम बंगाल के उन जीवित मतदाताओं को लेकर वे निर्वाचन आयोग के दफ्तर गई थीं, जिनके नाम कथित तौर पर गलत ढंग से मतदाता सूची से हटाए गए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का आरोप है कि निर्वाचन आयोग में उनसे बदसलूकी की गई, इसलिए आनन- फानन में उन्हें वहां से निकलना पड़ा। तो सुप्रीम कोर्ट में अपने खास अंदाज में उन्होंने इस केस की पैरवी की। समाधान क्या निकलेगा, कहना कठिन है। एसआईआर की प्रक्रिया गंभीर विसंगतियों से ग्रस्त रही है। इस कारण भारत की चुनाव व्यवस्था को लेकर अविश्वास बढ़ा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से प्रक्रियागत खामियां दूर करने में कई बार मदद मिली, लेकिन इससे बुनियादी मुद्दे हल नहीं हुए।

ममता बनर्जी के वकील की भूमिका अपनाने से इस सूरत में आमूल बदलाव होगा, इसकी संभावना कम ही है। लेकिन अंत तक और हर मोर्चे पर संघर्ष करने के ममता के इरादे ने यह जरूर दिखाया है कि लोकतंत्र के सिकुड ? का रोना रोने वाले विपक्षी राजनेता ऐसी परिस्थितियों में अपना दायित्व कैसे निभा सकते हैं। लोकतंत्र में किसी समस्या को मुद्दा बना देने और उसे लगातार मुद्दा बनाए रखने का अपना महत्त्व होता है। ऐसा हर उपलब्ध मंच और माध्यम का इस्तेमाल करते हुए ही किया जा सकता है। ममता बनर्जी ने एक समय अपराजेय दिखने वाला लेफ्ट फ्रंट का किला इसी अंदाज से ध्वस्त किया था। अब उसी ढंग से वे अपना किले को बचाने की जद्दोजहद में हैं। यह अंदाज अहम है। इसका महत्त्व चुनावी सफलता या विफलता से तय नहीं होगा।

सड़कों व पुलों से बदल रही तस्वीर, दूरस्थ गांव मुख्य धारा से जुड़ रहे, बढ़ी विकास की रफ्तार, दूरवर्ती क्षेत्रों में पहुंच रही रोशनी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सड़कों और पुलों के निर्माण के बाद विकास व समृद्धि के रास्ते अब साफ नजर आने लगे हैं। सरकार ने अंदरूनी और दूरस्थ इलाकों को मुख्य मार्गों से जोड़ने को प्राथमिकता देते हुए बड़े पैमाने पर सड़क और पुल-पुलियों के निर्माण को मंजूरी दी है। इससे जिन इलाकों में पहले आवागमन कठिन था, वहां अब सालभर संपर्क बना हुआ है। लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी आसान हुई है और विकास कार्यों को नई गति मिली है।

पिछले दो वर्षों में कांकेर जिले में 61 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से 15 पुलों के काम पूर्ण किए गए हैं। इन पुलों के बनने से जिले के लगभग 100 गांवों और करीब 80 हजार आबादी का सीधा और बारहमासी संपर्क ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय से हो गया है। अब ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और पर्यटन जैसी

सुविधाओं तक पहुंचने में पहले जैसी परेशानी नहीं होती। सरकारी योजनाएं भी तेजी से गांवों तक पहुंच रही हैं।

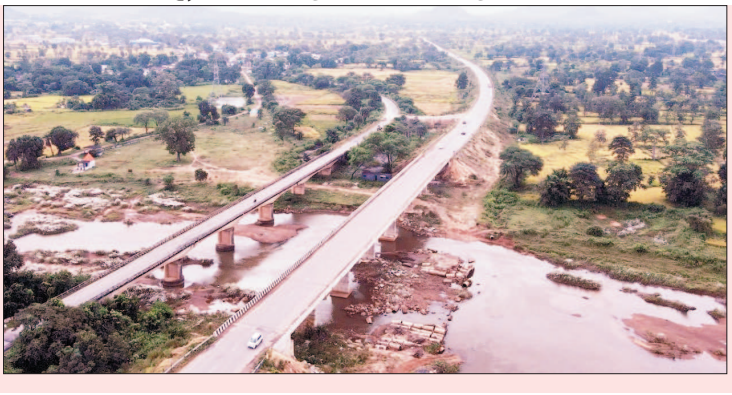

आतुरबेड़ा-भैसगांव-निन्ना मार्ग पर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में मेंढ़की नदी पर बना उच्च स्तरीय पुल इस बदलाव का बड़ा उदाहरण है। इस पुल के कारण सुदूरांचल के लोगों का आवागमन सुगम हुआ है और प्रशासनिक गतिविधियों को भी मजबूती मिली है। सड़क और पुल नेटवर्क के विस्तार से न सिर्फ विकास कार्य तेज हुए हैं, बल्कि माओवाद प्रभावित रहे इलाकों में शासन की पकड़ भी मजबूत हुई है।

सड़कों और पुलों के नेटवर्क लगातार मजबूत किए जा रहे हैं। कांकेर जिले के कोने-कोने को राज्य मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग, ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय से जोड़ने पिछले दो वर्षों में 85 करोड़ रुपये की लागत से 9 नए वृहद पुलों को स्वीकृति दी गई है। लोक निर्माण विभाग के सेतु निर्माण संभाग के कार्यपालन अभियंता राजेंद्र सोनकर ने बताया कि बासनवाही-टांहकापार मार्ग पर महानदी पर 28 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत पुल हजारों ग्रामीणों की सुविधा और पर्यटन विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। सोनपुरझमरोड़ा मार्ग पर बेचाघाट में कोटरी नदी पर 15 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से पुल निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इसके पूरा होने से माओवाद प्रभावित माड़ क्षेत्र का सीधा संपर्क स्थापित हो जाएगा।

राज्य शासन दूरस्थ अंचलों तक मजबूत सड़कों और पुलों के माध्यम से लोगों की सहूलियतें बढ़ाने तथा दुर्गम एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक विकास की रोशनी पहुंचाने प्रतिबद्धता से काम कर रही है। कांकेर में बन रहे ये पुल सिर्फ कांक्रीट की संरचनाएं नहीं हैं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की ओर बढ़ते कदम हैं। इनके पूरा होते ही जिले के सुदूरवर्ती गांवों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से लाभ मिलेगा। इससे विकास की रफ्तार और तेज होगी।

महामृत्युंजय महायज्ञ : शिव संदेश : गरल पियो, सरल रहो–वैदिक सत्संग समिति का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

वैदिक सत्संग समिति द्वारा शिवरात्रि के उपलक्ष्य में 'शिव संदेश' विषय पर एक प्रेरक एवं विचारोत्तेजक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में आचार्य डॉ. अजय आर्य ने अपने ओजस्वी एवं प्रभावशाली उद्बोधन से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान मुकेश जैन एवं पूजा जैन की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र अग्रवाल ने कुशलता से किया तथा संयोजन राकेश दुबे द्वारा संपन्न हुआ। अपने व्याख्यान में आचार्य डॉ. अजय आर्य ने भगवद्गीता के श्लोक 'यथा दीपो निवातस्थो' की व्याख्या करते हुए कहा कि जैसे वायु रहित स्थान में दीपक की लौ स्थिर रहती है, वैसे ही योगाभ्यास और आत्मसंयम से युक्त व्यक्ति का चित्त भी स्थिर हो जाता है। उन्होंने शिव संदेश को स्पष्ट करते हुए कहा कि ' 'गरल पियो, सरस रहो' का तात्पर्य यह है कि जीवन की कटु परिस्थितियों को स्वयं सहन कर भी समाज के लिए अमृत बनना ही सच्ची शिव-भक्ति है। आचार्य ने वाणी की मर्यादा पर विशेष बल देते हुए कहा कि पत्थर से लगा घाव समय के साथ भर जाता है, किंतु वाणी से दिया गया घाव जीवन भर पीड़ा देता है। हल्के हास्य के माध्यम से उन्होंने कहा कि

आजकल कुछ लोग शिव-भक्त बनने के नाम पर नशे का सहारा लेते हैं, जबकि महादेव बनने के लिए नशा नहीं, बल्कि नशे से दूरी आवश्यक है, इस कथन पर सभागार में मुस्कान के साथ गहन संदेश भी उतरा। उन्होंने ऋषि दयानंद सरस्वती का स्मरण करते हुए कहा कि शिव का अर्थ कल्याण और शंकर का अर्थ कल्याण करने वाला है, अतः सच्चा शिव-भक्त समस्या नहीं, बल्कि समाधान होता है। उन्होंने यह भी कहा कि जो व्यक्ति दूसरों को अमृत पिलाने के लिए स्वयं विष पीने को तैयार रहता है, वही वास्तव में महादेव के मार्ग पर चलता है।

महर्षि दयानंद ने कहा था कि धर्म का अर्थ है सत्य और प्रकाश। हमें आर्य समाज के इस संदेश को स्वीकार करना चाहिए कि सत्य के ग्रहण करने और आसक्ति के छोड़ने में सर्वप्रथम उद्यत रहना चाहिए। कार्यक्रम में देवेश कुमार साह, विजय कुमार लाहोटी, आनंद प्रकाश अग्रवाल, निर्मल आर्य, अरुण कुमार बाजपेयी, रेखा दुबे, विजय पठानिया, संजय शुक्ल, कमल कुमार गोयल, विजय उत्तमानी, गोपाल अग्रवाल, रवि राम सिन्हा, महेंद्र, प्रो. कल्याण सिंह, विनीत शर्मा, सुश्री अनुपम ढोढ़, अनुपम ढोढ़ (सुपुत्र) मुकेश जैन, श्रीमती पूजा रानी जैन, मल्लखम्ब वर्मा, राधेलाल साह, रवि डडसेना, श्यामली चौड़ा, सुश्री आनंदिनी, सुश्री सविता आर्य, प्रभारिनी प्रज्वलित आर्य, नन्द कुमार आर्य, राजकुमार श्रीवास सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और सभी ने कार्यक्रम को अत्यंत प्रेरणादायक बताया। निर्मल करने भजन प्रस्तुत किया। प्रसाद वितरण और शांति पाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

बोध रात्रि क्या है ?

आर्य समाज एवं दयानंद के अनुयायी शिवरात्रि को बोध रात्रि के नाम से मनाते हैं। आज से 188 वर्ष पूर्व महर्षि दयानंद सरस्वती ने जब चूहे को शिवलिंग पर उत्पात मचाते हुए देखा था, तब उन्होंने सच्चे शिव की खोज करने का संकल्प लिया था। उन्होंने ईश्वर को सच्चिदानंद स्वरूप निराकार, सर्वशक्तिमान, दयालु, अजन्मा, अनंत ,निर्विकार, अनादि, अनुपम, सर्वाधार, सर्वेश्वर, व्यापक बताया था। आर्य समाज शिवरात्रि को बोध रात्रि के रूप में मनाता है।

खास खबर

मोदी की गारंटी की गारंटी निभा रही साय सरकार– वंदना टांडेकर

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

खैरागढ़ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निणर्यों का भारतीय जनता पार्टी ने स्वागत किया है। भाजपा नेत्री वंदना टांडेकर ने राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अंतर की राशि होली पर्व से पहले एकमुश्त भुगतान करने के निर्णय को ऐतिहासिक एवं किसान हितैषी बताया है।

वंदना टांडेकर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में जो वादा किया था ।उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप पूरा किया जा रहा है। उन्होंने इसे मोदी की गारंटी की गारंटीह्व बताते हुए कहा कि प्रदेश की साय सरकार किसानों के समृद्ध भविष्य और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने जानकारी दी कि कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत धान के मूल्य के अंतर की राशि के रूप में लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का भुगतान होली से पहले किसानों के खातों में एकमुश्त किया जाएगा? यह निर्णय किसानों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

वंदना टांडेकर ने कहा कि समय पर बोनस एवं अंतर की राशि का भुगतान कर सरकार ने भरोसे जीता और खाते में राशि पहुंचने से वे होली जैसे महत्वपूर्ण पर्व को हर्षोल्लास के साथ मना सकेंगे। साथ ही, किसानों के हाथ में पैसा आने से बाजार में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी, जिससे व्यापारियों, लघु उद्योगों एवं कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला साबित होगा और इसका प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ सभी छत्तीसगढ़वासियों को मिलेगा। अंत में वंदना टांडेकर ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं मंत्रिमंडल के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए प्रदेश के किसानों को बधाई दीं।

लोकसंगीत और बॉलीवुड सुरों से सजा मैनपाट महोत्सव अलका चंद्राकर और वैशाली रायकवार ने दी प्रस्तुतियां

देर रात तक दर्शकों को बांधे रखा, मेला, बोटिंग और दंगल के रोमांच के साथ उमड़ा जनसैलाब

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर-मैनपाट

छत्तीसगढ़ के शिमला के नाम से विख्यात मैनपाट में आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव का दूसरा दिन सांस्कृतिक वैभव, उत्साह और जनसैलाब के नाम रहा। सुरों की मधुर गूंज, रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियां और मेले की चहल-पहल ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। मशहूर छत्तीसगढ़ी लोकगायिका अलका चंद्राकर और इंडियन आइडल फेम वैशाली रायकवार की शानदार प्रस्तुतियों ने देर रात तक दशर्कों को बांधे रखा।

लोकसंगीत की मधुर सरिता में डूबा मैनपाट: कार्यक्रम की शुरुआत अलका चंद्राकर की भक्तिमय जसगीत प्रस्तुति से हुई, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। इसके बाद ददरिया, सुवा गीत और पारंपरिक छत्तीसगढ़ी

लोकधुनों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनकी सुमधुर आवाज और मंच पर सहज प्रस्तुति ने लोकसंस्कृति की छटा बिखेर दी।

बॉलीवुड धुनों पर थिरके कदम : वैशाली रायकवार ने अपने दमदार स्वर और लोकप्रिय बॉलीवुड गीतों की श्रृंखला से महफिल में जोश भर दिया। एक के बाद एक प्रस्तुत गीतों पर दर्शक झूमते रहे और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा परिसर गूंज उठा। युवा दशर्कों में खासा उत्साह देखने को मिला।

विविधता और प्रतिभा का मंच : जांजगीर-चांपा से आए शांति प्रतिमा डांस ग्रुप के ट्रांसजेंडर कलाकारों ने ह्यनौ दुर्गाह्व स्वरूप में भावपूर्ण नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया। उनकी ऊर्जा, अभिव्यक्ति और समर्पण ने कार्यक्रम को विशेष आयाम दिया। स्थानीय कलाकारों—आँचल मदलियार, मनप्रीत, दिलबाग सिंह, माही जायसवाल और हर्ष पूरी—ने भी अपनी सशक्त प्रस्तुतियों से दशर्कों की खूब सराहना बटोरी।

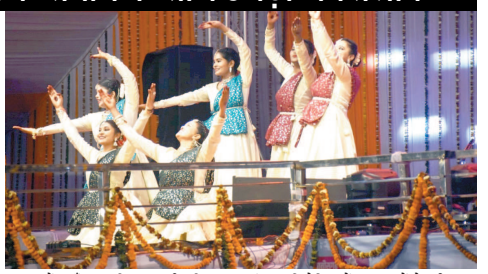

शास्त्रीय और बाल प्रतिभाओं की झलक : नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, अंबिकापुर की छात्राओं ने कत्थक नृत्य की सुंदर प्रस्तुति देकर शास्त्रीय कला की गरिमा को मंच पर जीवंत किया। वहीं स्कूली बच्चों ने गीत और नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया।

मेले की रौनक, बोटिंग और दंगल का रोमांच: सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ महोत्सव स्थल पर सजे भव्य मेले में देर शाम तक भारी भीड़ उमड़ती रही। झूले, खानपान और विभिन्न स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने रहे। पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने बोटिंग का भरपूर आनंद लिया। दंगल प्रतियोगिता में पहलवानों के बीच हुए रोमांचक और दमदार मुकाबलों को देखने के लिए दशर्कों में विशेष उत्साह देखा गया। हर दांव-पेच पर तालियों और उत्साहवर्धन की आवाजें गूंजती रहीं।

कार्यक्रम में कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, जनपद उपाध्यक्ष अनिल सिंह, रजनीश पाण्डेय, राम यादव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। मैनपाट महोत्सव का दूसरा दिन सांस्कृतिक एकता, लोकपरंपरा और आधुनिक मनोरंजन का जीवंत उदाहरण बना। संगीत, नृत्य और रोमांच से सजी यह शाम लंबे समय तक लोगों की यादों में बनी रहेगी।

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में संगीत ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

प्रतिष्ठित कला शिक्षक और चित्रकार डॉ. एलएन भावसार को समर्पित रहा यह आयोजन खैरागढ़ इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. (डॉ.) लवली शर्मा के संरक्षण में श्रुति मंडल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रतिष्ठित कला शिक्षक एवं प्रख्यात चित्रकार डॉ. एल.एन. भावसार को समर्पित रहा। डॉ. लक्ष्मी नारायण भावसार भोपाल के फाइन आर्ट विभाग में शिक्षा एवं कला के क्षेत्र में दीघर्काल से सक्रिय रहे। उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें डी.लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन पश्चात कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. राजन यादव के स्वागत वक्तव्य से हुआ।

उन्होंने अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरुण दिवाकर नाथ वाजपेई के सम्मान में शिक्षा के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान तथा उनकी रचित पुस्तकों की जानकारी साझा की। इसके उपरांत कुलपति प्रो. अरुण दिवाकर नाथ वाजपेई ने काव्यपाठ प्रस्तुत किया। उन्होंने सुमधुर ग़ज़लों एवं गीतों के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर से मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. शैलजा चंद्राकर (दुर्ग) एवं प्रथम शिक्षक हरजीत सिंह सहोटा (भिलाई) उपस्थित रहे। उन्होंने सुदर्शन क्रिया तथा विभिन्न यौगिक क्रियाओं के माध्यम से स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की कला पर प्रकाश डाला।

विद्यार्थियों को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने हेतु प्रेरित किया। सांस्कृतिक प्रस्तुति के क्रम में प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका विदुषी शोभा चौधरी (इंदौर) ने अपनी सुरमयी प्रस्तुति से समां बाँध दिया। उन्होंने राग धानी से गायन का प्रारंभ किया तत्पश्चात राग श्री की प्रस्तुति दी और अंत में भगवान शिव को समर्पित चैती राग प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दिवाकर कश्यप सहायक प्राध्यापक ने सभी अतिथियों, कलाकारों एवं उपस्थित श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। श्रुति मंडल का यह आयोजन कला, साहित्य, संगीत और अध्यात्म का समन्वित संगम बनकर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक परंपरा को और समृद्ध करने वाला सिद्ध हुआ।

प्राचीन कबीर मठ धाम नादिया डोंगरगांव में फाल्गुन महोत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

ग्राम कबीर मठ नादिया (डोगरगांव)में आगामी 2026 फाल्गुन महोत्सव एवं 202वें अखिल भारतीय सद्गुरु कबीर संत सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर ट्रस्टियों, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। यह त्रिदिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी तथा 1 और 2 मार्च 2026 को आयोजित होगा। बैठक में आयोजन के दौरान संभावित व्यवस्थागत चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। ट्रस्टियों एवं ग्रामवासियों ने प्रशासन को अवगत कराते हुए सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, विद्युत आपूर्ति, अस्थायी शौचालय एवं स्नानागार की व्यवस्था तथा सड़क किनारे नालियों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने की मांग रखी। प्रशासनिक अधिकारियों ने आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया।

इस वर्ष के संत सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिष्ठित संत-महात्मा शामिल होंगे, जिनमें प्रमुख रूप से –साध्वी सुश्री सुमेधा साहेब (देवरी, मध्यप्रदेश), संत डॉ. हरीश साहेब (पटना विश्वविद्यालय, बिहार), संत डॉ. भागीरथी साहेब (कबीर चौरा, वाराणसी, उत्तरप्रदेश), संत रतनस्वरूप साहेब (पूणिर्या, बिहार), महंत लेखचंद साहेब (मुरमुंदा, छत्तीसगढ़), इन संतों के प्रवचनों से श्रद्धालुजन लाभान्वित होंगे।

मठ की स्थापना वर्ष 1826 में आद्याचार्य सद्गुरु सेवा साहेब जी द्वारा दानवीर मंगतू ठाकुर के सहयोग से की गई थी। वर्ष 2026 में मठ अपनी स्थापना के 200 वर्ष पूर्ण कर रहा है। दो शताब्दियों की समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा के साथ यह धाम देश-विदेश में विशेष पहचान रखता है। अनेक संतों की साधना और आशीर्वाद का साक्षी यह आश्रम समय-समय पर विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए आज भी आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बना हुआ है।

मठ के वतर्मान पीठाधीश्वर एवं ट्रस्ट अध्यक्ष नादवंशाचार्य मंगल साहेब ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर सत्संग का लाभ लेने की अपील की है। बैठक में विधायक प्रतिनिधि टिकेश साहू (डोंगरगांव), सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण गुप्ता एवं भाजपा जिला महामंत्री डिकेश साहू (राजनांदगांव) उपस्थित रहे। उन्होंने मठ के विकास एवं आयोजन की सफलता के लिए हरसंभव राजनीतिक सहयोग का आश्वासन दिया।

अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगांव के प्रतिनिधि के रूप में मोहम्मद फारूख मोमिन तथा थाना प्रभारी आशीर्वाद ने भी बैठक में भाग लेकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विशेष प्रशासनिक सहयोग प्रदान करने की बात कही। ट्रस्ट के सचिव संत गिरवर साहेब ने जानकारी दी कि ग्राम पंचायत नादिया की सरपंच श्रीमती वंदिता ठाकुर, उपसरपंच निराला पटेल सहित ग्राम के गणमान्य नागरिक एवं ट्रस्ट सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने सामाजिक समरसता एवं अनुशासन बनाए रखते हुए कार्यक्रम को पूर्णतः सफल बनाने का संकल्प लिया। फाल्गुन महोत्सव को लेकर ग्राम नादिया में उत्साह का वातावरण व्याप्त है और श्रद्धालुओं में विशेष उत्सुकता देखी जा रही है।

मातृ-पितृ पूजन दिवस पर 151 बुर्जुगों का किया गया सम्मान

मोहारा वार्ड पार्षद की पहल पर लर्निंग लाईसेंस व श्रम कार्ड शिविर का किया आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मोहारा वार्ड पार्षद व एमआईसी मेम्बर आलोक श्रोती की पहल पर वार्ड में मातृ-पितृ पूजन के खास मौके पर वार्ड के उम्रदराज बुजुर्गों का जहां सम्मान किया गया। वहीं युवाओं के लिए लर्निंग लाईसेंस व श्रमिकों के लिए श्रम कार्ड बनाने के लिए शिविर का आयोजन किया गया। बुजुर्गों के सम्मान समारोह में वार्ड नं. 47 के पार्षद श्री श्रोती ने बुजुर्गों का शाल-श्रीफल से सम्मानित कर मुंह मीठा कराया।

वार्ड पार्षद श्री श्रोती ने बताया कि बुजुर्गों के सम्मान समारोह कार्यक्रम के लिए वार्ड के 151 बुजुर्गों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के समय नवरतन नवदुर्गा जस भजन मंडली के सदस्यों द्वारा रामायण का पाठ किया गया। पूरे वार्ड में भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण माहौल रहा। कार्यक्रम में बुजुर्गों के सम्मान समारोह के साथ लर्निंग लाइसेंस शिविर एवं श्रम विभाग का भी शिविर लगया गया था। जिसमें युवक-युवतियों एवं ई-रिक्शा चालकों के कुल 58 लर्निंग लाइसेंस बनाए गए ।साथ ही श्रम विभाग के शिविर में 42 श्रमिकों ने अपना श्रमिक कार्ड बनवाया।

सम्मान समारोह एवं लर्निंग लाइसेंस शिविर का शुभारंभ के मौके पर प्रेस क्लब अध्यक्ष सचिन अग्रहरि, वरिष्ठ पत्रकारद्वय मिथलेश देवांगन, प्रदीप मेश्राम व संदीप साहू शामिल हुए। प्रेस क्लब अध्यक्ष सचिन अग्रहरि ने अपने उद्बोधन में बुजुर्गों के सम्मान समारोह कार्यक्रम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मातृ-पितृ पूजन दिवस भारतीय संस्कृति के अनुरूप है। ऐसे आयोजनों से बुजुर्गों के प्रति सम्मान का भाव गहरा होता है। अग्रहरि ने कहा कि ऐसे आयोजन सिलसिलेवार होने चाहिए। साथ ही पार्षद आलोक श्रोती को जन्मदिवस की शुभकामना के साथ सफल कार्यक्रम के लिए बधाई देते इस कार्यक्रम को प्रतिवर्ष आयोजित करने कहा।

सम्मान समारोह के समापन अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत शामिल हुए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति के अनुरूप बुजुर्गों के सम्मान को बनाए रखने एवं हमेशा अपने माता-पिता की सेवा करने उपस्थित जनों को प्रेरित किया। उन्होंने पार्षद आलोक द्वारा किए गए आयोजन को एक अनुकरणीय पहल बताया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि देवशरण सेन, तरुण लहरवानी, महिला एवं बाल विकास चेयरमैन वर्षा शरद सिन्हा, राजस्व विभाग चेयरमैन राजा मखीजा, भाजपा दक्षिण मंडल अध्यक्ष गोलू गुप्ता, उत्तर मंडल अध्यक्ष सुमित भाटिया, जिला पंचायत सदस्य प्रशांत कोड़ापे, दक्षिण मंडल महामंत्रीद्वय बलवंत साहू एवं अशोकदित्य श्रीवास्तव, पार्षद रवि सिन्हा, युवा पार्षद जैमन बैद, पार्षद शेखर लश्करे, पार्षद शेखर यादव, पार्षद सतीश साहू, पार्षद अरुण साहू, विजय राय, प्रखर श्रीवास्तव, राजेश यादव के आतिथ्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पार्षद आलोक श्रोती,परशुराम प्रजापति, रामकुमार देवांगन, पूर्व पार्षद शंकुतला खिलावन देवांगन, दक्षिण मंडल मंत्री देवकी देवांगन, मोहन तिवारी, लक्की देवांगन, भुवनेश्वरी सिन्हा, कीर्ति प्रजापति, लक्ष्मण प्रजापति, मीना सोनकर, सोहन प्रजापति, दुबेश प्रजापति, रूपेंद्र शर्मा, रोहित सिन्हा, दिनेश प्रजापति, खेलन सोनकर, दिलीप सोनकर, मोहित सिन्हा, रूपेश यादव, उत्तम मिश्रा, भुवनेश्वरी प्रजापति, मीरा देवांगन, राधा देवांगन, ठगिया सिन्हा, पुष्पा देवांगन, हिरन सिन्हा, भोजबाई सिन्हा, पीलेश्वर देवांगन, रवि देवांगन, उत्तम देवांगन, रामहीन देवांगन, खिलेश एवं वाडर्वासी उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन मोहन तिवारी द्वारा किया गया।

दावा आपत्ति 23 फरवरी तक आमंत्रित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन वात्सल्य योजना के प्रावधानों के तहत जिले में संचालित अशासकीय बाल देखरेख संस्था बालगृह (बालिका) एवं विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण को शासकीय रूप से संचालित करने के लिए विभिन्न 15 संविदा पदों पर भर्ती हेतु प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्र–अपात्र आवेदकों की सूची जारी की गई है।

जारी पात्र–अपात्र सूची के संबंध में 23 फरवरी 2026 शाम 5.30 बजे तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग राजनांदगांव में पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट, कोरियर के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। दावा आपत्ति कार्यालय में सीधे स्वीकार नहीं की जाएगी। निर्धारित तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। पात्र–अपात्र सूची का अवलोकन राजनांदगांव जिले की वेबसाईट एवं कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई महिला एवं बाल विकास विभाग संयुक्त जिला कार्यालय प्रथम तल कक्ष क्रमांक 11 राजनांदगांव के सूचना पटल पर किया जा सकता है।

निधन

दीपमाला

बलौदाबाजार । भाजपा जिला बलौदा बाजार के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. अजय राव की धर्मपत्नी श्रीमती दीपमाला का रविवार अधर्रात्रि में स्वगर्वास हो गया, जिनका अंतिम संस्कार पैतृक स्थान *धमतरी में आज 16 फरवरी* को दोपहर 3 बजे संपन्न होगा । वरिष्ठ भाजपा नेता कोमल किशोर मिश्रा ने संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी है।

भारत में नहीं होगा
साल का पहला सूर्य ग्रहण प्रभावी

सूर्य ग्रहण काल

सूर्य ग्रहण भारतीय समयानुसार 17 फरवरी, मंगलवार की दोपहर 3 बजकर 27 मिनट पर आरंभ होगा, जो शाम 6 बजकर 6 मिनट पर समाप्त हो जाएगा।

इस साल में कुल चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। साल 2026 का पहला सूर्य ग्रहण 17 फरवरी और चंद्र ग्रहण 3 मार्च को लगेगा। वहीं दूसरा सूर्य व चंद्र ग्रहण अगस्त में लगेगा।

कुंभ राशि में होगा

इस साल का पहला सूर्य ग्रहण 17 फरवरी, मंलवार को लग रहा है। यह सूर्य ग्रहण कुंभ राशि में धनिष्ठा नक्षत्र में लगेगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 37 साल बाद कुंभ राशि में फिर से ऐसा सूर्य ग्रहण लग रहा है, जब ग्रहण के दौरान सूर्य के साथ राहु, बुध, शुक्र और चंद्रमा भी मौजूद रहेंगे। इससे पहले 7 मार्च, 1989 में ग्रहों की स्थिति इसी प्रकार थी। इसके अतिरिक्त कुंभ राशि में सूर्य और राहु की युति से भी ग्रहण योग प्रभावी होगा।

प्रभावी देश

17 फरवरी, मंगलवार को लगने वाला वलयाकार सूर्य ग्रहण जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका, जाम्बिया, मोजम्बीक, मॉरीशस, अंटार्कटिका सहित तन्जानिया और दक्षिण अमेरिकी देशों में दिखाई देगा।

भारत में नहीं होगा

इस साल का पहला सूर्य ग्रहण 17 फरवरी, मंगलवार को लगने जा रहा है। यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा।

ज्योतिषीय प्रभाव

सूर्य ग्रहण की वजह से प्राकृतिक आपदाओं का ज्यादा प्रकोप देखने को मिल सकता है। भूकंप, बाढ़, सुनामी, विमान दुर्घटनाएं होने के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि प्राकृतिक आपदा में जनहानि कम होने की संभावना कम है।

- फिल्म एवं राजनीति से दु:खद समाचार मिल सकते हैं।
- व्यापार में तेजी आएगी।
- बीमारियों में कमी आएगी।
- रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
- आय में इजाफा होगा।
- पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता अपने चरम पर होगी। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे।
- विश्व में सीमा पर तनाव बना रहेगा।
- आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन, हड़ताल, बैंक घोटाला, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती हैं।

आज है फाल्गुन की
सोमवती अमावस्या और कल भौमवती अमावस्या

तिथि मुहूर्त

विक्रम पंचांग के अनुसार, इस वर्ष फाल्गुन माह की अमावस्या तिथि आज शाम 5 बजकर 35 मिनट से शुरू हो रही है, जो 17 फरवरी, मंगलवार की शाम 5 बजकर 31 मिनट तक व्याप्त रहेगी। शास्त्रों के अनुसार, अगर सूर्यास्त से पूर्व एक घड़ी भी सोमवार हो तो उसे सोमवती अमावस्या माना जाएगा। ऐसे में आज यह व्रत रखना शास्त्र सम्मत होगा। मंगलवार को भी अमावस्या तिथि व्याप्त रहेगी तो इस बार भौमवती अमावस्या का भी संयोग बन रहा है।

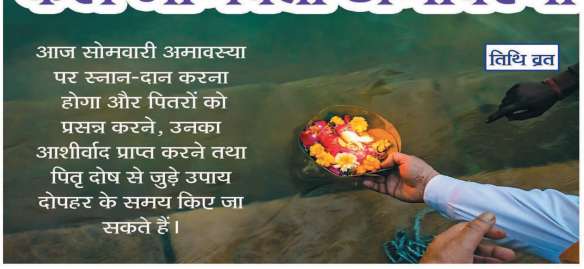

अमावस्या तिथि का हिंदू धर्म में खास महत्व है। सोमवार को पड़ने वाली अमावस्या तिथि को सोमवती अमावस्या कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिन पवित्र नदी में स्नान-दान करने से बेहद पुण्य फल प्राप्त होता है। शास्त्रों के अनुसार सोमवती अमावस्या पर माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा की जाती है। विवाहित महिलाएं पति की लंबी उम्र की कामना करते हुए इस व्रत को विधि-विधान से करती हैं और पीपल के वृक्ष की परिक्रमा भी करती हैं। सोमवती अमावस्या पर स्नान-दान करने से पितृ-दोष से भी राहत मिलती है।

आज सोमवारी अमावस्या पर स्नान-दान करना होगा और पितरों को प्रसन्न करने, उनका आशीर्वाद प्राप्त करने तथा पितृ दोष से जुड़े उपाय दोपहर के समय किए जा सकते हैं।

पूजा विधि

अमावस्या तिथि पर सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के बाद भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए।

शिवलिंग और माता पार्वती की प्रतिमा पर 7 या 11 बार (विषम संख्या में) कच्चा सूत लपेटें। ऐसा करने से दांपत्य जीवन सुखद बना रहता है।

व्रती को इस दिन सुबह स्नानादि के बाद साफ वस्त्र धारण करके पहले व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इसके पश्चात एक लकड़ी की चौकी पर वस्त्र बिछाकर शिवजी और मां पार्वती की प्रतिमा स्थापित करना चाहिए। माता पार्वती और भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा व आरती करके पीपल के पेड़ की 108 बार परिक्रमा अवश्य करनी चाहिए। परिक्रमा करने के साथ 108 बार धागा लपेटें। वृक्ष में शिवजी का वास मानकर दूध, जल, चंदन, अक्षत आदि से पूजा करें।

पूजा-पाठ

हनुमान जी को अर्पित करें पान का बीड़ा

मंगलवार का दिन भगवान हनुमान को समर्पित माना जाता है। इस दिन श्रद्धालु बजरंगबली को प्रसन्न करने के लिए व्रत, हनुमान चालीसा पाठ और विशेष पूजन करते हैं। इन्हीं उपायों में से एक है, हनुमान जी को पान का बीड़ा अर्पित करना। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, विधि-विधान से पान का बीड़ा चढ़ाने से व्यक्ति को साहस, शक्ति और जीवन के कई क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होती है।

मंगलवार को हनुमान जी को पान का बीड़ा चढ़ाते समय कुछ जरूरी नियमों का पालन करना चाहिए।

बीड़ा चढ़ाने से पहले स्नान कर शरीर और मन की शुद्धि करें तथा स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

इस दिन लाल रंग के कपड़े पहनना विशेष फलदायी माना जाता है।

पान के बीड़े में कभी भी सुपारी या तंबाकू नहीं डालें।

पान के बीड़े में कत्था, गुलकंद और सौंफ अवश्य डालें। इन वस्तुओं को शुभ माना गया है और इससे बजरंगबली शीघ्र प्रसन्न होते हैं।

बीड़ा अर्पित करते समय श्रद्धा भाव से हनुमान जी का स्मरण करें।

लाभ

शत्रुओं पर विजय पाने के लिए यह उपाय अत्यंत शुभ माना जाता है।

करियर और व्यापार में उन्नति के योग बनते हैं।

मंगल ग्रह से जुड़ी समस्याओं और मंगल दोष से मुक्ति मिल सकती है।

आत्मविश्वास, साहस और मानसिक बल में वृद्धि होती है।

जीवन में आ रही रुकावटें दूर होने लगती हैं।

जय-जय शिव भंडारी

जय-जय शिव भोले भंडारी,
विपदा हर लो सबकी सारी।

कर कैलाश पर वास तुमने,
किया असुरों का विनाश तुमने,
इन बलाओं से हमें बचाओ,
त्रिलोक के ओ पालन हारी,
जय-जय शिव भोले भंडारी।

धूम से निकले जिसकी सवारी,
छवि है उसकी अति मनोहारी,
हर मुश्किल से हमें बचाकर,
बिगड़ी बनाए जो हमारी,
जय-जय शिव भोले भंडारी।

डाल गले सर्पों की माला,
पी लिया तुमने विष का प्याला,
कृपा तुम्हारी कितनी हम पर,
डोलती नैया पल में तारी,
जय-जय शिव भोले भंडारी।

त्रिनेत्र धारी हो त्रिशूल धारी,
गंगा धारी ओ चंद्र धारी,
है कालों के काल महाकाल,
महिमा तुम्हारी जग में न्यारी,
जय-जय शिव भोले भंडारी।

- नलिन खोईवाल,
(इंदौर, मध्यप्रदेश)

वर्ग पहेली क्रमांक 7323

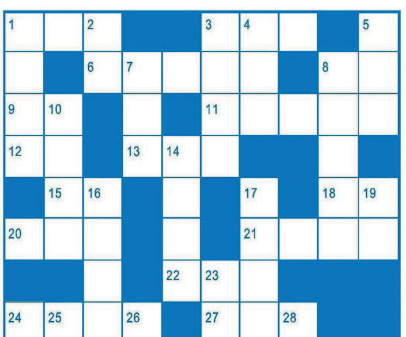

बाएँ से दाएँ :- 1. बिल्कुल थोड़ा-सा 3. आमदनी, रसीद, आना 6. बेफ़िक्र 8. एक बटा दो 9. मेहराब, धनुष 11. प्रहारक 12. ओहदा 13. बलपूर्वक दबाना, कुचलाई 15. उबला चावल 18. हुनर, दक्षता 20. द्रव 21. ईश्वर का धरती पर जन्म, प्रकट होना 22. धोबी 24. स्वस्थ 27. सस्ता, मामूली 29. थोड़ा, घाटा (व्यापार में) 30. भिन्न, दूसरा 31. कलंक।

ऊपर से नीचे :- 1. चोरी-छिपे, खामोशी से 2. खूँटा 3. पुकारना, बुलाना 4. संदेह 5. बुनियाद, नींव 7. मनभाया 8. जरूरत 10. उत्तरदायित्व 14. अकड़बाज़, अहंकारी, घमंडी 16. द्रव पदार्थ के नीचे बैठने वाला मैल 17. मूर्ख 19. थूक 23. विष 24. गड़ी नज़र, एक ही चीज को लंबे समय तक देखना 25. ख्यात, प्रसिद्ध 26. सरिता 28. चाचा।

पिछली वर्ग पहेली का उत्तर

आ	रो	प		ल		गु		क	च्या
क		रि		ल	क	ड़	हा	रा	
र्ष		स	रो	का	र		व	रा	ह
क	म	र		र		खं	भा		सी
	नो		अ	ना	र		व	र	ना
नि	रं	त	र		च			स	
	ज		सा	र	ना	थ		म	ग
सं	क	ट		म		म	ल	य	ज
घ		प	पी	ता		ना	ला		रा

कहानी

आकाश से एक संवाद

शाम की ढलती हुई बेला थी। मैं अपनी छत पर आराम कुर्सी पर लेटा हुआ था। मेरी दृष्टि ऊपर तनी उस अनंत नीलिमा पर टिकी थी! न कोई आकार, न कोई सीमा, और न ही कोई हलचल। बस एक विराट शून्य।

मन में सहज ही प्रश्न उठा कि स्वयं इतना खाली है, उससे क्या संवाद किया जाए? जिज्ञासा तीव्र से तीव्रतर होती चली गई और कब मेरा चित्त उस नीले विस्तार पर केंद्रित होकर उसमें एकाकार हो गया, पता ही नहीं चला। तभी अंतर्मन के किसी कोने से एक आवाज आई- शून्य रिक्त नहीं है, यह तो अनंत संभावनाओं से भरा है। इसी बोध के साथ आकाश से मेरा एक मौन संवाद शुरू हो गया।

मैंने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए पहला प्रश्न किया- हे व्योम! संसार का हर शोर, हर मधुर संगीत और हर हृदयवेधी चीख तुम्हारे ही विस्तार में स्पंदित होती है। फिर भी तुम स्वयं इतने खामोश कैसे रह लेते हो? तुम्हारे भीतर यह गहन सन्नाटा क्यों पसरा है? क्या यह एक अद्भुत विरोधाभास नहीं है कि ध्वनि का आधार होकर भी तुम मौन हो?

आकाश का उत्तर किसी बाहरी स्वर में नहीं, बल्कि मेरे अंतर्मन में एक शांत विचार की तरह उतरा, मानो उस विराट सन्नाटे ने ही स्वयं को शब्दों में ढाल लिया हो- 'सुनो जिज्ञासु! जिसे तुम मेरा सन्नाटा समझ रहे हो न, वह तो वास्तव में मेरी असीमता और पूर्णता का एक विस्तार है। जरा सोचो, अगर प्याला पहले से ही पानी से भरा है, तो उसमें और अधिक जल कैसे समा सकता है? मैं शून्य हूँ, इसीलिए मैं सबको ग्रहों, नक्षत्रों, बादलों और यहाँ तक कि तुम्हारी साँसों को भी स्थान दे पाता हूँ। मेरा रिक्त होना ही मेरा होना है और यही मेरी सबसे बड़ी सार्थकता है।'

> **मुझे समझ में आ गया कि हम जीवन भर बाहर की परिस्थितियों को बदलने में लगे रहते हैं, कभी शोर को शांत करने, दु:ख को हटाने तो कभी सुख को थामे रखने में। पर आकाश सिखाता है कि वास्तविक जीवन परिस्थितियों को रोकना नहीं, बल्कि उन्हें भोले भाव से देखने में है।**

अब आकाश को सुनने के लिए मेरा अन्तर्मन मौन हो गया। आकाश ने एक और गहरा सत्य उद्घाटित करते हुए कहा- 'मेरा मौन ही वह धरातल है, जिस पर सृष्टि का हर नाद और हर स्पंदन जन्म लेता है। मैं उस कोरे कागज़ की तरह हूँ, जो स्वयं मौन रहकर भी हर शब्द को अस्तित्व प्रदान करता है। मेरा सन्नाटा कोई अभाव नहीं, बल्कि वह अनंत संभावना है, जहाँ से हर ध्वनि प्रकट होती है और अंततः मुझी में विलीन हो जाती है।'

आज आकाश ने जीवन का एक व्यावहारिक सूत्र दिया- 'देखो मेरे भीतर काले बादल आते हैं, प्रचंड आंधियाँ चलती हैं और सूर्य का ताप भी होता है, लेकिन क्या कभी काले बादलों से, आँधियों से मैं मैला हुआ? क्या मैं कभी तूफानों से या ताप से विचलित हुआ? नहीं! मैं केवल एक साक्षी भाव में रहता हूँ। मैं सबको आश्रय देता हूँ, पर किसी से बंधता नहीं। मेरा यह शून्य तुम्हें यही कहता है कि तुम भी अपने अंदर एक ऐसा आकाश निर्मित करो, जहाँ सुख-दु:ख के बादल आएँ और चले जाएँ, पर तुम्हारी आत्मा का नीला विस्तार सदैव अछूता और निश्चल रहे।'

आकाश से यह मौन संवाद समाप्त होते-होते मेरे विचारों का कोलाहल भी धीरे-धीरे शांत होकर किसी गहरे सन्नाटे में विलीन हो गया। मुझे समझ में आ गया कि हम जीवन भर बाहर की परिस्थितियों को बदलने में लगे रहते हैं, कभी शोर को शांत करने, दु:ख को हटाने तो कभी सुख को थामे रखने में। पर आकाश सिखाता है कि वास्तविक जीवन परिस्थितियों को रोकना नहीं, बल्कि उन्हें भोले भाव से देखने में है। आकाश कभी बादलों को रोकता नहीं, बस उन्हें आने-जाने देता है। वैसे ही हमें भी भावनाओं और घटनाओं को साक्षी भाव से देखने की कला सीखनी चाहिए।

आज शाम मैंने जाना कि शांति बाहर नहीं, भीतर के शून्य में बसती है और जो इस शून्य से मित्रता कर लेता है, वही वास्तव में मुक्त हो जाता है।

- डॉ. मधुसूदन शर्मा

जिंदगी को गले लगाएं

आखिर क्यों और किन हालात में कोई व्यक्ति खुद अपनी जिंदगी को खत्म करने का फैसला लेता है? उसके दिमाग में क्या ख्याल आते हैं? क्या वह दुनिया छोड़ने से पहले अपने आसपास के लोगों को इसका संकेत देता है? क्या उसे ऐसा करने से रोका जा सकता है और अगर हां तो कैसे?

दुनिया भर में सुसाइड के मामले बढ़ रहे हैं और इस मामले में हिंदुस्तान की तस्वीर भी बहुत अच्छी नहीं है। तमाम वजहों से अपने यहां आत्महत्या के मामले बढ़े हैं। दुनियाभर में सुसाइड की समस्या कितनी गंभीर हो रही है और इसकी प्रवृत्ति कितनी तेजी से बढ़ रही है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दुनिया में एक दिन बाकायदा आत्महत्या से बचाव को समर्पित किया गया है। हर साल 10 सितंबर को वर्ल्ड सुसाइड प्रिवेंशन डे के तौर पर मनाया जाता है। इंग्लैंड के एक छोटे से गांव के एक पादरी ने सुसाइड को रोकने के लिए जिस मुहिम की शुरुआत की, वह आज एक विश्व अभियान का रूप ले चुकी है।

सुसाइड रोकने की दिशा में तमाम संस्थाएं काम कर रही हैं। समैरिटन ने भी इस मामले में काफी काम किया है। शुरुआत में यह यूके में ही काम करता था, लेकिन धीरे-धीरे इसकी पहुंच दुनिया के और हिस्सों में भी होने लगी। इसके बाद इसका नाम हुआ 'समैरिटन बीफ्रेंडर्स इंटरनेशनल'। बाद में यह 'बीफ्रेंडर्स इंटरनेशनल' के नाम से जाना जाने लगा, जिसकी दुनिया भर में शाखाएं खुलने लगीं। हिंदुस्तान में यह संस्था 'बीफ्रेंडर्स इंडिया' के नाम से काम कर रही है। अपने यहां इसकी 12 ब्रांच हैं। इसके अलावा मेंटल हेल्थ की दिशा में काम कर रही 'संजीवनी' जैसी तमाम संस्थाएं भी सुसाइड से जुड़ी समस्याओं पर काम कर रही हैं। लेकिन संजीवनी के लिए सुसाइड उसके तमाम कामों में एक है, जबकि 'बीफ्रेंडर्स इंडिया' पूरी तरह से सिर्फ सुसाइड से समस्याओं में ही काम करती है।

कैसे मिलती है मदद

दिल्ली में 'सुमैत्री' नाम से चल रही संस्था के लोग फोन, ईमेल व पर्सनल विजिट के जरिए लोगों से मिलकर उनका दर्द सुनते हैं और उन्हें मौत की तरफ से जिंदगी की तरफ लौटने के लिए प्रेरित करते हैं। 'सुमैत्री' की अध्यक्ष अपर्णा बताती हैं कि यह काम काफी संवेदनशील, जिम्मेदारी भरा और विश्वास से जुड़ा है। इसमें मदद मांगने वाले को कॉलर या विजिटर्स कहा जाता है। अपर्णा का कहना था कि हम संपर्क करने वाले को न तो मरीज मानते हैं, न कस्टमर, न क्लाइंट और न ही केस। हमारे लिए वह सिर्फ कॉलर या विजिटर्स होते हैं। कॉलर्स हेल्पलाइन नंबर पर फोन करके, ईमेल के जरिए या इनके ऑफिस में आकर मदद मांगते हैं।

संस्थाएं लिसनिंग थेरपी के जरिए सुसाइड की ओर बढ़ रहे लोगों का मन मोड़ने का काम करते हैं। सुमैत्री के लिए काम करने वाली मृदुला का कहना था कि हमारा असली काम परेशान व्यक्ति को ध्यान से सुनना है। उनका दुख और तकलीफें साझा करना है, जिससे उनके मन का गुबार निकल जाए और वह अपने भीतर हल्कापन महसूस कर सके। इसी बातचीत में उन्हें अपनी समस्या के हल खुद सूझने लगते हैं। इस दौरान न हम उनसे ज्यादा सवाल पूछते हैं और न ही कोई सलाह देते हैं। किसी को सलाह देने का मतलब है कि हम उसकी बुद्धिमत्ता को कम करके आंक रहे हैं।

अपर्णा के मुताबिक कोई भी कॉलर जब हमसे संपर्क करता है तो उसकी हालत हमारे लिए धुंध से भरे चौराहे जैसी होती है, जिसे यह पता तो होता है कि यहां से कई रास्ते निकलते हैं, लेकिन वह इन रास्तों को देख नहीं पाता। इन संस्थाओं के एक्सपर्ट का काम उसे रास्ता बताना नहीं, बल्कि धुंध छंटने होने तक उसका हाथ थामना है। उधर संजीवनी में सुसाइड मामलों में रोकथाम संबंधी काउंसिलिंग से जुड़ी रंजीत बासु बताती हैं कि उनके पास सुसाइड से जुड़े मामलों में मदद मांगने वाले लोगों में सुसाइड करने के इच्छुक लोगों के अलावा कई बार परिवार वाले और मित्र भी होते हैं। सुसाइड की ओर बढ़ रहा व्यक्ति अगर संपर्क करता है, हमें कॉल करता है तो इसका मतलब है कि वह जीना चाहता है।

अहम है भरोसा

जिंदगी में भरोसा खो चुके लोगों की जो मदद करते हैं उनकी फिलॉसफी पूरी तरह से दो चीजों पर टिकी हुई है भरोसा और गोपनीयता। इसमें न तो कॉलर्स या विजिटर्स से उसका नाम, पता या पहचान पूछी जाती है और न ही उस पर जोर दिया जाता है। यह पूरी तरह से विजिटर्स पर निर्भर करता है कि वह अपना नाम बताएं या न बताएं। मदद का यह सारा लेन-देन अजनबी बनकर होता है। यहां के वॉलंटियर्स भी अपनी पहचान उजागर नहीं करते। इन्हें पूरा नाम, निजी कॉन्टैक्ट नंबर वगैरह देने से बचने की सलाह दी जाती है।

अपर्णा का कहना है कि अगर हमारा चेहरा या पहचान सामने आएगी तो हमारे कॉलर्स को खुलने में दिक्कत होगी। आत्महत्या करने वाला व्यक्ति एक अजनबी से अपने दिल की बात इसलिए खुलकर कर लेता है, क्योंकि उसे न तो सामने वाले के जजमेंटल होने का, न सिर्फ बेमतलब की सलाह या ज्ञान देने का और न ही सुसाइड जैसे विचारों के बारे में बताने या बात करने को लेकर किसी तरह की शर्मिंदगी का अहसास होता है। साथ ही उसे अपनी निजी बातों या विचारों के सार्वजनिक होने का खतरा भी नहीं होता। कॉलर्स को लगता है कि सुनने वाला चीजों को किसी पूर्वाग्रह से न देखकर कॉलर्स के नजरिए से देख रहा है।

ऐसे देते हैं सिग्नल्स

सुसाइड करने वाला हर व्यक्ति ऐसा कदम उठाने से पहले अपने आपपास के लोगों को कई तरह के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सिग्नल या संकेत देता है। थोड़ा सचेत और संवेदनशील रहकर इन संकेतों को पकड़ा जा सकता है और उसकी मनः स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस क्षेत्र में काम कर रही एक वॉलंटियर वर्षा का कहना है कि कोई भी इंसान मरना नहीं चाहता। इंसान बेहद मजबूरी में अपने जीवन को खत्म करने का फैसला लेता है। हर आत्महत्या करने वाला 'क्राइ फॉर लास्ट हेल्प' की तलाश में रहता है। वह चाहता है कि कोई उसकी आखिरी पुकार को सुने। अगर वक्त रहते किसी ने उसकी पुकार को सुनकर समझ लिया और मदद कर दी तो जिंदगी बचाई जा सकती है। हालांकि इन संकेतों को पकड़ने के साथ-साथ आपको उस व्यक्ति की मनः स्थिति और गतिविधियों पर भी गौर करना होगा।

कर सकते हैं मदद

इस दिशा में काम कर रहे लोगों का मानना है कि अगर उस व्यक्ति के आसपास रह रहे लोग, मित्र, परिचित व रिश्तेदार इन संकेतों को समझ लेते हैं तो अनहोनी को टाला जा सकता है।

एक्सपर्ट का मानना है कि संवेदनशील बनकर, परेशान व्यक्ति की पूरी बात सुनकर, खुद को उसकी जगह रखकर देखने से आप उसकी बात समझ सकते हैं। अगर आपको किसी व्यक्ति में ऐसे लक्षण दिखें तो उसे सलाह देने से या सुसाइड का ख्याल अपने दिल से निकालने के लिए डांटने या किसी और तरीके से यह बात समझाने की कोशिश कभी न करें। कई बार लोग परिवार या बच्चों का वास्ता देकर ऐसा करने से रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन एक्सपर्ट की राय है कि सुसाइड पर आमादा व्यक्ति ऐसी किसी भी चीज को सुनने के मूड में नहीं होता। कई बार वह ऐसे हालातों में और अपने भीतर सिमटने लगता है और भीतर ही भीतर उसके मन में सुसाइड का ख्याल और गहराने लगता है। ऐसे में महत्वपूर्ण है कि बिना जजमेंटल हुए पीड़ित व्यक्ति की बात सुनी जाए। एक्सपर्ट का मानना है कि अक्सर कोई भी व्यक्ति मुसीबत में अपने लोगों या अपने आसपास के लोगों से कम्यूनिकेट करता है या करने की कोशिश करता है, लेकिन जब उसे वहां से कोई रिस्पॉन्स नहीं मिलता तो वह अपने में सिमटने लगता है। तब वह सुसाइड जैसे विकल्प की ओर कदम बढ़ता है।

जरूरी है कि अपने लोगों के साथ संवाद में किसी तरह का अवरोध न रखें। होता यह है कि हम अपनों की बात सुनते हैं, लेकिन उस पर गौर नहीं करते। हम चीजों को देखते तो हैं, लेकिन उन पर ध्यान नहीं देते। अपनों के लिए वक्त निकालिए। खासकर अगर आपके पास कोई परेशान व्यक्ति या द्वंद्व से गुजरता व्यक्ति हो तो उससे बात कीजिए। बात करते समय ध्यान रखें कि उससे ऐसी कोई बात या सवाल न करें, जिससे वह उत्तेजित हो या बातचीत से पीछे हटे। इस दिशा में काम करने वालों का मानना है कि हम ज्यादातर मामलों में लोगों को अपने इरादों में रोकने में कामयाब रहते हैं, लेकिन एकाध मामले ऐसे भी हुए हैं, जहां ये उन्हें रोक नहीं पाए।

मेथी के फायदे अनेक

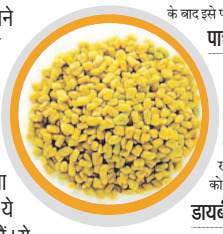

मेथी का इस्तेमाल आपने अपने किचन में तो खूब किया होगा। मार्केट में आसानी से उपलब्ध हो जाने से लोग इसके फायदों से अनजान हैं, लेकिन क्या आपको पता है मेथी के ये दाने कितने फायदेमंद हैं। ये बालों की डैंड्रफ को तो दूर करता ही है साथ ही ये चेहरे के लिए, पेट के लिए और यहां तक कि पथरी की बीमारी में भी काफी फायदेमंद है। आइए आज हम आपको मेथी के फायदों के बारे में बताते हैं।

डैंड्रफ भी हो जाएगी दूर

डैंड्रफ होना बालों की एक आम समस्या है। यह सिर की त्वचा रूखी-सूखी होने और डेड स्किन सेल्स की वजह से होती है। इससे छुटकारा पाने के लिए आपने अब तक कई एंटी-डैंड्रफ शैंपू का इस्तेमाल कर लिया है लेकिन फिर भी यह समस्या नहीं जा रही है तो हम आपको इसका घरेलू उपाय बता रहे हैं। बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए मेथी दाने बहुत असरदार होते हैं। इसके लिए मेथी के दानों को मुलायम होने के लिए रात भर पानी में भिगो दें। सुबह इसको पीसकर पेस्ट बना लें। आप चाहें तो इसमें दही मिलाकर पेस्ट को स्कैल्प और बालों की जड़ों पर अच्छे से लगाएं, साथ ही मसाज भी करें। अब इसे 30 मिनट बाद धो लें।

बाल होते हैं मजबूत

मेथी के दाने बालों की जड़ों को मजबूत करते हैं और डैमेज्ड हेयर को पुनर्जीवित करते हैं। इसमें प्रोटीन होता है, इसलिए मेथी दानों को अपनी डाइट में शामिल करने से बाल हेल्दी और खूबसूरत बनेंगे। इसके लिए भीगी हुई मेथी के पेस्ट में एक या दो बड़ा चम्मच नारियल तेल या जैतून के तेल को मिलाकर बालों में लगाएं। सूखने के बाद इसे पानी से धो लें।

पाचन में फायदेमंद

मेथी के दानों के सेवन से पेट दर्द और जलन दूर होती है। साथ ही पाचन क्रिया भी दुरुस्त होती है। पाचन संबंधी समस्या को दूर करने के लिए मेथी दानों के पेस्ट में कसी हुई अदरक मिलाएं और खाने से पहले एक बड़ा चम्मच इस पेस्ट को खाएं। इससे पेट से संबंधित रोग दूर होंगे।

डायबीटीज भी करती है कंट्रोल

मेथी के दानों से ब्लड शुगर कंट्रोल होता है। इसमें मौजूद एमीनो एसिड तत्व पैनक्रियाज में इंसुलिन के स्राव को बढ़ाता है जो शरीर से ब्लड शुगर लेवल कम करता है। स्टडी के अनुसार डायबीटीज के रोगियों द्वारा मेथी दानों के सेवन से फायदा होता है। इसके लिए मेथी के दानों को रात भर पानी में भिगोकर रख दें और सुबह इसे छानकर इसका पानी पिएं। ऐसा करीब दो महीने तक लगाकर करने से डायबीटीज में काफी हद तक आराम मिलेगा।

किडनी के लिए फायदेमंद

मेथी के सेवन से किडनी भी स्वस्थ होती है। पथरी के इलाज में मेथी फायदा करती है। इस जादुई औषधि से पथरी पेशाब के साथ शरीर से बाहर निकल जाती है। मेथी के दानों को एक छोटे चम्मच नींबू के रस और शहद के साथ खाने से बुखार में काफी हद तक आराम मिलता है।

पिंपल्स भी हो जाएंगे दूर

मेथी दाने पिंपल्स और ब्लैकहेड ट्रीटमेंट के लिए फायदेमंद है। इसके लिए मेथी के दानों को पीस कर पेस्ट बना लें और इसमें थोड़ा शहद मिलाएं। अब इस मिक्सचर को रात में सोने से पहले पिंपल्स पर लगाएं और सुबह गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। इस उपाय को लगातार करने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क नजर आएगा।

वजन कम करने में उपयोगी

मेथी के दानों में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। खाली पेट मेथी दानों को चबाने से एक्सट्रा कैलरी बर्न होती है। इसका दूसरा उपाय है कि सुबह दो गिलास मेथी का पानी पिए। मेथी का पानी बनाने के लिए एक बड़ा चम्मच मेथी के दानों को दो गिलास पानी में रातभर भिगो दें और सुबह इसे छान कर पीस लें।

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अपनाएं यह छोटे-छोटे उपाय

नेचुरल ब्यूटी का कोई सानी नहीं है। आप भले ही मेकअप के जरिए खुद को कुछ पल खूबसूरत दिखा दें, लेकिन अगर आपकी स्किन नेचुरली ग्लोइंग हैं तो फिर आपको किसी मेकअप की भी जरूरत नहीं है। यूं तो ग्लोइंग स्किन पाने के लिए महिलाएं क्रीम आदि का सहारा लेती हैं, लेकिन फिर भी उन्हें मनचाहा रिजल्ट नहीं मिलता। अगर आप चाहती हैं कि आपकी स्किन नेचुरली ग्लो करे तो आपको कुछ बातों का खासतौर पर ध्यान रखना होगा–

पीएं पर्याप्त पानी

पानी सिर्फ आपको हेल्दी ही नहीं रखता, बल्कि इससे आपकी स्किन भी ग्लो करती है। दरअसल, जब आप पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं तो इससे शरीर के भीतर मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और इससे आपकी स्किन दमकने लगती है। इसलिए आप दिन में कम से कम आठ से दस गिलास पानी पीएं।

हेल्दी डाइट

कहते हैं कि आपकी स्किन आपकी इनर हेल्थ का ही आईना है। जब आप भीतर से हेल्दी होते हैं तो उसका असर आपकी स्किन पर भी नजर आता है। इसलिए ग्लो पाने के लिए आप क्रीम के बजाय हेल्दी रहने पर फोकस करें। सबसे पहले आप अपनी डाइट पर ध्यान दें। अपनी डाइट में पोषक तत्वों को शामिल करें। खासतौर से ओमेगा 3 फैटी एसिड, विटामिन सी व फाइबर युक्त आहार लें। इसके अतिरिक्त शरीर में विटामिन की कमी को पूरा करने के लिए आप डॉक्टर की सलाह पर मल्टीविटामिन भी ले सकते हैं।

चीनी और नमक कम

अगर आप चाहते हैं कि आप स्किन नेचुरली ग्लो करें तो आप अपने आहार में चीनी व नमक की मात्रा को कम करें। बहुत अधिक नमक व चीनी का सेवन आपकी हेल्थ के साथ-साथ स्किन को भी प्रभावित करता है।

करें वर्कआउट

सुनने में शायद आपको अजीब लगे लेकिन वर्कआउट भी ग्लोइंग स्किन पाने का एक आसान उपाय है। दरअसल, जब आप वर्कआउट करते हैं तो इससे स्किन पर रक्त का प्रवाह बेहतर होता है और स्किन ग्लो करने लगती है। साथ ही वर्कआउट से आपका स्टेमिना बढ़ता है और आप हेल्दी बनते हैं।

होममेड पैक

हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने के अतिरिक्त कुछ घरेलू फेस पैक के जरिए भी आप अपनी स्किन को ग्लोइंग बना सकते हैं। जैसे- आधा चम्मच हल्दी पाउडर लेकर उसमें चार टेबलस्पून बेसन मिक्स करें। अब आप इसमें पानी या दूध की मदद से एक फाइन पेस्ट बनाएं। अब आप इसे अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में पानी की मदद से स्किन को साफ करें।

नारियल के तेल को हल्का गर्म करके उसे अपने चेहरे व गर्दन पर लगाकर सर्कुलर मोशन में मसाज करें। इसे आप रातभर के लिए छोड़ दें। अगर आप स्किन को एक्सफोलिएट करना चाहते हैं तो इसमें थोड़ी शुगर भी मिक्स कर सकते हैं। एक टेबलस्पून एलोवेरा जेल लेकर एक चुटकी हल्दी, एक चम्मच शहद व एक चम्मच दूध डालकर मिक्स करें। अब इस मिश्रण को चेहरे व गर्दन पर अप्लाई करें और 20 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में गुनगुने पानी से स्किन को साफ करें।

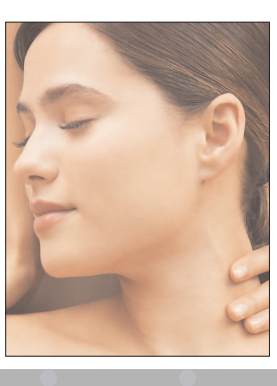

एशिया की दूसरी सबसे ऊंची दीवार है कुंभलगढ़

पहाड़ और समुद्र से इतर कभी ऐतिहासिक जगह घूमने का मन हो तो राजस्थान से बेहतर जगह भला और क्या हो सकती है। यहां महल और किलों की भरमार है। इन्हीं में से एक है राजसमंद जिले का कुंभलगढ़ किला। इस किले की दीवार के बारे में कहा जाता है कि चीन की दीवार के बाद यह एशिया की दूसरी सबसे ऊंची दीवार है। कुंभलगढ़ किला उदयपुर से करीब 82 किलोमीटर की दूरी पर अरावली की पहाड़ियों पर बना हुआ है। इसे यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट का स्टेटस भी मिल चुका है। कहा जाता है कि इस किले को बनने में 15 साल लगे थे और इसका निर्माण मेवाड़ के शासक महाराणा कुंभा ने 15वीं शताब्दी में करवाया था।

सबसे ऊंची दीवार

इस किले की दीवार 36 किलोमीटर लंबी और 15 फीट चौड़ी है। इसे एशिया की दूसरी सबसे ऊंची दीवार का दर्जा प्राप्त है। किले में 360 मंदिर है जिसमें से 300 मंदिर जैन धर्म के और बाकी 60 हिंदू धर्म के हैं। ऐसा सुरक्षा के लिहाज से किया गया था। भले ही इस किले के बारे में बहुत लोग नहीं जानते हैं, लेकिन इसकी खूबियां किसी भी अन्य किले से कम नहीं है। यह अपने आप में बहुत खास है। किले के पास में ही एक जंगल था जिसे अब वाइल्ड लाइफ सैंक्चुरी में तब्दील कर दिया गया है। इसकी दूसरी खासियत यह है कि मेवाड़ के महान योद्धा महाराणा प्रताप का जन्म कुंभलगढ़ में हुआ था।

बादल महल

कुंभलगढ़ के मशहूर महलों में से एक है बादल महल इसमें मर्दाना महल और जनाना महल दो हिस्से हैं जो आपस में जुड़े हुए हैं। महल के शानदार कमरे पेस्टल रंगों से बने भित्ति चित्रों से सजे हुए हैं। इसी महल में महाराणा प्रताप का जन्म हुआ था।

शैंपेन बोतल आकार की दीवार

किले की दीवार शैंपेन की बोतल की आकार की बनी हुई है। दरअसल, ऐसा दुश्मनों को कैद करने के लिए बनाया गया था। किले के ऊपर से आसपास का पूरा नजारा दिखता है।

जैन मंदिर

यहां जैन धर्म के 300 खूबसूरत मंदिर बने हुए हैं, जो वास्तुकला का बेजोड़ नमूना है। बारिश के मौसम में इन मंदिरों की सुंदरता देखते ही बनती है।

सूर्यास्त के बाद यहां होने वाला साउंड और लाइट शो बहुत खास होता है। इसके जरिए आप इतिहास से रू-ब-रू हो सकते हैं। इतिहास और परंपरा को करीब से जानना चाहते हैं, तो ऐतिहासिक स्थलों की सैर जरूर करें।

प्याज के ऐसे इस्तेमाल से अब तक अनजान होंगे आप

अगर कोई आपसे पूछे कि प्याज का आप किस तरह से इस्तेमाल करते हैं तो यकीनन आप कहेंगे कि सब्जी या सलाद के रूप में। हर किचन में बेहद आसानी से पाया जाने वाला प्याज रसोई से बाहर भी आपकी कई छोटी-बड़ी समस्याओं को हल करने में आपकी मदद कर सकता है। इसे काटने में भले ही आंसू निकले लेकिन वास्तव में यह बेहद ही फायदेमंद चीज है। तो चलिए आज हम आपको प्याज के कुछ बेहतरीन इस्तेमाल के बारे में बता रहे हैं-

दूर करें पेंट की स्मेल

अगर आपने अभी-अभी घर को पेंट कराया है तो यकीनन आपके घर से पेंट की स्मेल आ रही होगी। यह स्मेल कुछ लोगों को बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगती। ऐसे में आप प्याज को बीच से काटें और कमरे के दोनों हिस्सों में अलग-अलग बर्तन में रखें। प्याज कमरे से पेंट की स्मेल को आसानी से अब्जार्ब कर लेगा।

एक्ने को करें दूर

अगर आप एक्ने से निजात पाना चाहते हैं तो प्याज आपके काफी काम आ सकता है। इसके लिए आप प्याज, ओटमील व शहद को एक ब्लेंडर की मदद से पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर दस मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को वॉश कर लें। इसके अतिरिक्त आप प्याज के रस में एग यॉर्क, ऑलिव ऑयल व खीरे का रस मिलाकर उसे एक्ने पर अप्लाई करें।

हटाए जंग

अगर आप अपने चाकू व अन्य सामान से जंग को हटाना चाहते हैं तो भी प्याज का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार है। इसके लिए आप प्याज को जंग लगे चाकू पर तीन से चार बार इस्तेमाल करें। चाकू से जंग आसानी से हट जाएगी।

बनाएं कीटनाशक

प्याज घर के साथ-साथ गार्डन के लिए भी उतना ही उपयोगी है। आप प्याज की मदद से अपने गार्डन के लिए प्राकृतिक कीटनाशक बना सकते हैं। इसके लिए आप एक ब्लेंडर में चार प्याज, लहसुन की दो कली, दो बड़े चम्मच लाल मिर्च और एक लीटर पानी डालकर पेस्ट तैयार करें। अब इस मिश्रण को एक तरफ रखें। इसके बाद सोप फलेक्स में करीबन 7.5 लीटर पानी डालकर उसे डायलूट करें। अब इन मिश्रण को आपस में अच्छी तरह मिक्स करें। पौधों के लिए आपका एनवायरनमेंट फ्रेंडली स्प्रे बनकर तैयार है।

चमकाए सिल्वर बर्तन

अगर आप अपने सिल्वर के बर्तनों को फिर से चमकाना चाहते हैं तो प्याज को स्लाइस करके क्रश करें। अब एक बाउल में पानी व क्रश प्याज डालें। अब एक कपड़े को उस पानी में भिगोएं और उसकी मदद से बर्तनों को साफ करें। आपके बर्तन बेहद आसानी से साफ हो जाएंगे।

हर मोर्चे पर विफल है भाजपा सरकार : भूपेश बघेल, रामदरबार चौक पर कांग्रेसियों ने किया स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले के एक दिवसीय प्रवास पर पहुँचे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, पंजाब प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का नगर के प्रमुख स्थल रामदरबार चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया और उत्साहपूर्ण माहौल में नारेबाजी की।

नई दृष्टिबिंदु के अनुसार, श्री बघेल छुरिया विकासखंड के ग्राम जैतगुंडरा स्थित बूढ़ादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम एवं सामाजिक भवन के लोकार्पण समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी क्रम में रामदरबार चौक पर कांग्रेस नेता अमित चंद्रवंशी एवं उनके साथियों द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया।

स्वागत कार्यक्रम के दौरान श्री बघेल ने उपस्थित कांग्रेसजनों को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएँ दीं तथा संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए क्षेत्र की जमीनी समस्याओं पर भी चर्चा की।

मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में श्री बघेल ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वतर्मान सरकार प्रदेश में हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है और जनता के हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है।

कार्यक्रम में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से संभागीय प्रवक्ता कमलजीत सिंह पिंटू, प्रदेश महिला सचिव प्रज्ञा गुप्ता, अल्पसंख्यक प्रदेश सचिव विशु आजमानी, भोला यादव, पंकज गुप्ता, संदीप जायसवाल, राहुल देवांगन, शैलेश रामटेके, सागर ताम्रकार, संजय साहू, शुभम कसार, तौसीफ गोरी, हर्षिल हनी, अभि गुप्ता, अंशल श्रीवास्तव, विक्की साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

गौरतलब है कि भूपेश बघेल राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र के कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्जकराकर कार्यकर्ताओं की हौसला अफजाई करते हैं। क्योंकि भूपेश लोकसभा चुनाव में यहां से कांग्रेस के प्रत्याशी बनकर मौजूदा भाजपा सांसद संतोष यादव को कड़ी टक्कर देकर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई थी। बेहद कम अंतर से भूपेश बघेल लोकसभा में पीछे रहे थे।

खास खबर

सौर क्रांति का नया अध्याय : 'भूमि वेंचर्स' के 'हमर सोलर' का भव्य आगाज

राजनांदगांव। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर बनाने हेतु 'भूमि वेंचर्स (BHUMi Ventures)' की मुख्य इकाई 'हमर सोलर' का राजनांदगांव (सोमनी) में भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस नई पहल के साथ ही अब राजनांदगांव समेत संपूर्ण छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में विश्वस्तरीय सोलर सेवाएं उपलब्ध होंगी। संस्थान का लक्ष्य ग्राहकों को 25 साल की लंबी वारंटी वाले वर्ल्ड क्लास सोलर पैनल उपलब्ध कराना और उन्हें बिजली बिल के बोझ से हमेशा के लिए आजाद करना है।

0% डाउनपेमेंट और निशुल्क वित्तीय सुविधा। आम जनता की सहूलियत के लिए 'भूमि वेंचर्स' सोलर प्रोजेक्ट्स पर निशुल्क फाइनेंशियल और बैंकिंग सहायता प्रदान कर रही है। अब प्रदेश का कोई भी नागरिक 0% डाउनपेमेंट और आसान मासिक किस्तों पर अपने घर या संस्थान की छत पर सोलर प्लांट लगवा सकता है। साथ ही, शासन की प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत मिलने वाली भारी सब्सिडी का लाभ भी सीधे तौर पर दिलाया जा रहा है।

प्रदेशव्यापी नेटवर्क और सेवा केंद्र : ग्राहकों की सुविधा के लिए राजनांदगांव (सोमनी) के मुख्य कॉल एवं सर्विस सेंटर के साथ-साथ प्रदेश के इन प्रमुख स्थानों पर भी संपर्क किया जा सकता है। दुर्गः महाराजा चौक (HDFC बैंक के ऊपर), भिलाईः नंदिनी रोड (अम्बे मेडिकल के सामने) भिलाईः औद्योगिक क्षेत्र (रइकहाउसिंग बोर्ड के पास) कोहका (भिलाई): भामा शाह चौक (कर्मा भवन के पास। वहीं कैंप-1 (भिलाई): रोड नंबर 18 (जिया मेडिकल के पास) सोलर प्रोजेक्ट्स की नई फिटिंग, मेंटेनेंस और पैनल सर्विस के लिए छत्तीसगढ़ का कोई भी नागरिक इन केंद्रों पर संपर्क कर सकता है। उद्घाटन के विशेष अवसर पर बुकिंग कराने वाले ग्राहकों के लिए 'निश्चित उपहार' (फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन आदि) भी प्रदान किए जा रहे हैं।

रेलवे ने नागपुर मंडल में सिग्नलिंग आधुनिकीकरण संरक्षा और यात्री सुविधाओं का किया व्यापक विस्तार

नई दृष्टिबिंदु / नागपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल में आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण, सिग्नलिंग प्रणाली के आधुनिकीकरण तथा यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में हाल के महीनों में अनेक महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए गए हैं, जिनसे न केवल रेल परिचालन क्षमता में वृद्धि हुई है, बल्कि संरक्षा एवं यात्री सुविधा स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

तीसरी लाइन विस्तार कार्य के अंतर्गत तुमसर रोड स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली एवं यार्ड संशोधन का कार्य दिनांक 31 जनवरी 2026 को सफलतापूर्वक प्रारंभ किया गया। इस कार्य के पूर्ण होने से नागपुरझ्रदुर्ग रेल खंड की लाइन क्षमता में वृद्धि हुई है, जिससे ट्रेनों का संचालन अधिक सुगम, सुरक्षित एवं समयबद्ध हो सकेगा। आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली के लागू होने से सिग्नलिंग व्यवस्था अधिक विश्वसनीय एवं त्वरित बनी है।

इसी क्रम में डोंगरगढ़ स्टेशन यार्ड में नई अतिरिक्त परिपथ लाइन (लाइन संख्याझ2) के प्रावधान के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली में संशोधन कर 10 नए सिग्नल तथा 10 नई प्वाइंट मशीनें स्थापित की गईं। यह कार्य 27 दिसंबर 2025 को सफलतापूर्वक चालू किया गया। अतिरिक्त

परिपथ लाइन के प्रारंभ होने से ट्रेनों की क्रॉसिंग एवं ओवरटेकिंग की सुविधा में सुधार हुआ है तथा यातायात प्रबंधन अधिक प्रभावी हुआ है।

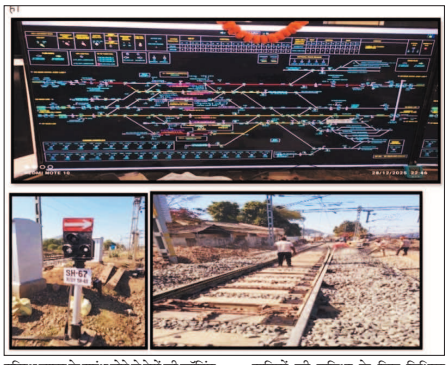

ग्वारीघाट स्टेशन पर 12 अक्टूबर 2025 को नई टॉवर वैगन साइडिंग के प्रावधान के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली में आवश्यक संशोधन किया गया। इस कार्य के अंतर्गत एक नया प्वाइंट तथा दो नए सिग्नल स्थापित किए गए हैं, जिससे रखरखाव कार्यों के संचालन में सुगमता एवं संरक्षा सुनिश्चित हुई है।

यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न स्टेशनों पर काउंटर संवाद प्रणाली स्थापित की गई है जिसमें राजनांदगांव में 4, चांदफोर्ट में 3, वड्सा में 2 तथा डोंगरगढ़ में 6 पूछताछ काउंटरों पर यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इससे यात्रियों को स्पष्ट एवं प्रभावी संवाद सुविधा प्राप्त हो रही है।

स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु आरसीआईएल/एनजीपी द्वारा वीएसएस (डी एवं ई श्रेणी) स्टेशनों के अंतर्गत अनेक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। इनमें बोरतलाव, पनियाजोब, जटकंहार, मुसरा, बाकल, परमालकसा, मुड़ीपार, रसमरा, गुदमा, गोबरवाही, डोंगरीबुजुर्ग तथा कन्हान रेलवे (गुड्स शेड) शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों की निगरानी भंडारा स्थित केंद्रीकृत सर्वर के माध्यम से की जा रही है, जिससे सुरक्षा तंत्र अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बना है।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय पहल की गई है। अगस्त 2025 में मोतीबाग स्थित पॉलीक्लिनिक में 13 काउंटरों पर कतार प्रबंधन प्रणाली स्थापित की गई। इसके अतिरिक्त अक्टूबर 2025 में छिंदवाड़ा स्टेशन, नागभीड़ तथा तुमसर रोड स्थित रेलवे स्वास्थ्य इकाइयों में भी यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इससे रोगियों को सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध सेवा प्रदान की जा रही है।

इसके अतिरिक्त 24 जुलाई 2025 को केवलारी रेलवे स्टेशन में मौजूदा अनारक्षित टिकट प्रणाली के साथ नई यात्री आरक्षण प्रणाली स्थापित की गई है, जिससे यात्रियों को आरक्षण संबंधी सेवाओं में और अधिक सुविधा एवं पारदशिर्ता प्राप्त हो रही है।

मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता ने कहा कि नागपुर मंडल में संरक्षा, क्षमता वृद्धि एवं यात्री सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली, अतिरिक्त लाइनों तथा डिजिटल सुविधाओं के माध्यम से रेल सेवाओं को और अधिक सुरक्षित, सुगम एवं विश्वसनीय बनाने के लिए मंडल निरंतर प्रतिबद्ध है।

पुलिस ने लूट के फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

राजनांदगांव। लूट की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी आदतन बदमाश प्रवृत्ति का, थाना बसंतपुर में पूर्व से कई आपराधिक प्रकरण दर्ज है। आरोपी देव यदु पिता शिवकुमार यदु, उम्र 23 वर्ष, निवासी झुलेलाल वार्ड चौखडियापारा, थाना बसंतपुर, जिला राजनांदगांव। प्रार्थी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 18 जनवरी को दोपहर लगभग 1 बजे वह अपने साथी के साथ अपनी स्कूटी एक्टिवा से मोहारा शराब भी शराब खरीदने गया था। उसी दौरान दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा प्रार्थी को अश्लील गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्का एवं गमछे में बंधे पत्थर से मारपीट कर जान से खत्म करने की धमकी दी गई तथा प्रार्थी के हाथ में रखे 200 एवं पर्स में रखे 3000 नगद तथा अन्य दस्तावेज लूटकर फरार हो गए। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 36/2026 धारा 296, 115(2), 351(2), 309(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार घटना की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। तलाश के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी देव यदु मोहारा भी के पास घूम रहा है। पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा गया। हिरासत में लेकर पूछताछ में घटना करना स्वीकार किया।

भिलाई के सेवा मॉडल में नया अध्याय : विधायक सेन ने शुरू की 1 में डायलिसिस और सोनोग्राफी सेवा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जनसेवा और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर वैशाली नगर विधानसभा के निवासियों को स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी सौगात दी है। भिलाई के जीरो रोड, शांति नगर स्थित विधायक कार्यालय में अब मात्र 1 रुपये में डायलिसिस और सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध होगी।

विधायक रिकेश सेन ने रविवार को इस नई सेवा का विधिवत शुभारंभ किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर इलाज के भारी बोझ को कम करना है। आपको बता दें कि वैशाली नगर ?विधायक कार्यालय अब एक जन-सुविधा केंद्र के साथ-साथ 'हेल्थ हब' के रूप में भी उभर रहा है।

नई सेवाओं की रूपरेखा निम्न अनुसार हैः मुख्य सेवाएं : मात्र 1 रुपये में डायलिसिस और 1 रुपये में सोनोग्राफी। समय : प्रतिदिन सुबह 8

से 11 बजे तक। अवकाश : शासकीय अवकाश के दिनों को छोड़कर यह सेवाएं नियमित रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि विधायक कार्यालय में पहले से ही कई जनकल्याणकारी प्रकल्प संचालित किए जा रहे हैं। अब स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ यहाँ फ्री ब्लड टेस्ट मरीजों के लिए 31 तरह की जांच पूर्णतः निःशुल्क है। एक रूपये में एक्स-रे, सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए 1 रूपये किराये पर हेल्मेट सुविधा, जरूरतमंदों के लिए राम रसोई में भोजन की व्यवस्था, गरीब और असहाय लोगों के लिए कंबल बैंक के साथ ही आज से डायलिसिस और गर्भवती महिलाओं के लिए 1 रूपये में सोनोग्राफी सेवा भी शुरू हो गई है।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि हमारा लक्ष्य राजनीति के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाना है। महाशिवरात्रि के शुभ दिन से शुरू की गई। 1 वाली डायलिसिस और सोनोग्राफी सेवा से उन मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी जो आर्थिक तंगी के कारण अपना इलाज नहीं करा पाते थे।" इस शुभारंभ कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, नागरिक और भारी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस मानवीय पहल की सराहना की।

महाशिवरात्रि पर्व पर प्रतिबंध, फिर भी खुलेआम मांस बिक्री नगर पालिक निगम की ताबड़तोड़ कार्रवाई से मचा हड़कंप

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

महाशिवरात्रि जैसे पवित्र पर्व पर राज्य शासन के स्पष्ट निर्देश-नगर निगम सीमाक्षेत्र में पशुवध गृह और मटन मार्केट पूर्णतः बंद। निगम का बयान जारी, मांस विक्रेताओं को समझाइश भी दी गई। लेकिन सवाल यह कि आदेशों की धज्जियाँ उड़ाने की हिम्मत आखिर किसने और कैसे की?

निगम के निरीक्षण दल को आज कौरिनभाठा क्षेत्र में एक चौंकाने वाला नजारा मिला-ठेले पर खुलेआम मांस विक्रय। कसाई पारा निवासी मुस्तकीम कुरैशी को मौके पर अवैध रूप से बिक्री करते पाया गया। सूचना मिलते ही निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा स्वयं टीम के साथ मौके पर पहुँचे। कार्रवाई इतनी तेज कि क्षेत्र में देखते ही देखते अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

ठेला जप्त, थाना में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

आयुक्त के निर्देश पर निगम अमले ने ठेला तत्काल जप्त किया। बसंतपुर थाना ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय न्याय सहिता की धारा 170 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। प्रशासनिक सख्ती का यह दृश्य स्थानीय लोगों के लिए अप्रत्याशित था।

आदेश तो आदेश हैं – निगम का कड़ा संदेश

आयुक्त विश्वकर्मा ने दो टूक कहा-शासन के निर्देशों का उल्लंघन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। पर्व पर मास-मटन विक्रय प्रतिबंधित है, और नियम तोड़ने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

चर्चाएँ व उठते सवाल

घटना के बाद शहर में चर्चाओं का बाजार गर्म-क्या यह एक अकेला मामला है या पर्दे के पीछे कुछ और भी? निगरानी और सख्ती के बावजूद अवैध बिक्री कैसे संभव हुई? प्रशासन की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई ने साफ संकेत दे दिया है-पर्व की पवित्रता और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के लिए अब कोई राहत नहीं।

भ्रष्टाचार फिक्स बुक डिपो, सपोर्टिंग बुक्स स्कूलों में लाखों के कमीशन का खेला ?

'निर्धारित बुक सेलर्स पर ब्रेक का दावा, किताबों पर सवाल बरकरार'

नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव

नए शैक्षणिक सत्र से पहले शिक्षा विभाग के सख्त निर्देशों और निजी स्कूलों पर शिकंजा कसने के दावों के बीच एक बड़ा सवाल उभर रहा है – क्या जमीनी स्तर पर वास्तव में बदलाव होगा, या किताबों और सपोर्टिंग बुक्स के नाम पर पुराना खेल जारी रहेगा?

हालिया निर्देशों में विभाग ने स्पष्ट किया है कि मनमानी फीस वृद्धि और अवैध शुल्क पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर मान्यता तक रद्द करने की चेतावनी भी दी गई है। शुल्क निर्धारण में पारदशिर्ता, कलेक्टर/डीईओ की अनुमति और सूचना पट्ट पर विवरण चस्पा करना अनिवार्य बताया गया है। लेकिन दूसरी ओर पालकों के आरोप शिक्षा व्यवस्था की दूसरी परत खोलते हैं – किताबों का बाजार और फिक्स दुकानों का कथित गठजोड़।

सपोर्टिंग बुक्सः सहायक सामग्री या आर्थिक दबाव?

पालकों का कहना है कि छोटे वर्गों,

खासकर नसरी और केजी से लेकर हाइ स्कूल तक, एनसीईआरटी/एससीईआरटी से इतर निजी प्रकाशकों की ह्लसपोर्टिंग बुक्सह्व अनिवार्य जैसी स्थिति में थमाई जाती हैं। जिनकी वास्तविक काफी कीमत कम बताई जाती है, पर बिल में कई गुना बढ़ोतरी का आरोप है।

सबसे गंभीर शिकायत – ये किताबें अक्सर एक ही तय बुक डिपो पर उपलब्ध होती हैं। अभिभावकों के अनुसार विकल्प न के बराबर, कीमत पर सवाल उठाने का अधिकार भी सीमित। फिक्स बुक डिपो का पैटर्न – सुविधा या सेटिंग? प्रतिस्पर्धा का अभाव, कीमतों में कथित मनमानी

बिलिंग/एमआरपी पारदर्शिता पर प्रश्न

पालकों का तर्क है कि यदि किताबें सामान्य बाजार में उपलब्ध हों, तो कीमतों में स्वतः संतुलन दिखे। एक ही दुकान की अनिवार्यता शंका को जन्म देती है।

प्रशासन के लिए चुनौती

हर वर्ष शिकायतों की पुनरावृत्ति प्रशासनिक तंत्र के लिए परीक्षा बनती जा रही है।, क्या बुक डिपो चयन प्रक्रिया पारदर्शी है?

फीस नियंत्रण के साथ किताबों की जांच क्यों जरूरी?

शिक्षा विभाग ने फीस वृद्धि पर नियंत्रण की बात कही है, पर अभिभावकों का कहना है कि किताबें और सपोर्टिंग सामग्री कुल खर्च का बड़ा हिस्सा बन चुकी हैं। नसरी स्तर पर ही हजारों रुपये के बुक-बिल परिवारों की आर्थिक योजना बिगाड़ देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि शुल्क संरचना पर सख्ती है, तो अध्ययन सामग्री के बाजार पर भी समान निगरानी जरूरी है, अन्यथा बोझ किसी न किसी रूप में पालकों तक पहुंचेगा। पालक एसोसिएशन पर भी उठे सवाल कुछ अभिभावकों का आरोप है कि बुक-लिस्ट और सपोर्टिंग बुक्स पर पालक एसोसिएशन की सहमति का हवाला दिया जाता है। पर क्या यह सहमति वास्तविक और व्यापक है? या महज औपचारिक प्रक्रिया?

क्या निजी प्रकाशनों की किताबों की अनिवार्यता नियमसम्मत है? क्या बिलिंग में उपभोक्ता अधिकारों का पालन हो रहा है?

नियमों की असली परीक्षा मैदान में

फीस नियंत्रण और सख्त निर्देशों के दावे तब सार्थक होंगे, जब किताबों और सपोर्टिंग सामग्री के मोर्चे पर भी पारदशिर्ता दिखे। शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान निर्माण है, आर्थिक तनाव नहीं। क्रांतिकारी संकेत इस मुद्दे पर निगाह बनाए हुए है। यदि आप भी ऐसी किसी समस्या का सामना कर रहे हैं, तथ्य/दस्तावेज साझा करें – सवाल पूछना अधिकार है, जवाबदेही व्यवस्था की।

पालकों की प्रमुख मांगें

बुक-लिस्ट व कीमतों का सार्वजनिक खुलासा, एकाधिक दुकानों से खरीद की स्वतंत्रता, सपोर्टिंग बुक्स पर स्पष्ट नीति/सीमा, एमआरपी व बिलिंग की सख्त जांच, शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई

कन्हारपुरी चारागाह में कूड़े का अम्बार मवेशियों की जान पर आ बना खतरा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कन्हारपुरी के चारा गाह क्षेत्र में कूड़ा-कचरे का गंभीर संकट सामने आया है। खुले में पड़े कचरे के ढेर से जहां आसपास भयंकर बदबू फैल रही है, वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि गायें व अन्य मवेशी कूड़े के साथ प्लास्टिक भी निगल रहे हैं, जिससे वे बीमार पड़ रहे हैं और कई मामलों में जान तक जा चुकी है।

ग्रामीणों का कहना है कि समस्या की जानकारी बार-बार देने के बावजूद सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ। कुछ नगर निगम कर्मचारियों द्वारा वेतन नहीं मिलने का हवाला देकर नियमित सफाई कार्य न करने की बात भी सामने आई है, जिससे हालात और बिगड़ गए हैं। ग्रामवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे कचरा उठाकर नगर निगम राजनांदगांव कार्यालय के समक्ष डंप करेंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी नगर निगम की होगी।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें हैं कि चारा गाह क्षेत्र से तत्काल कूड़ा हटाया जाए, प्लास्टिक अपशिष्ट पर सख्त नियंत्रण हो, नियमित सफाई व निगरानी व्यवस्था लागू की जाए, मवेशियों की सुरक्षा हेतु ठोस उपाय किए जाएं, स्थानीय निवासी वीरेन्द्र चन्द्राकर सहित कई ग्रामवासियों ने प्रशासन से शीघ्र संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई की अपील की है, ताकि स्वास्थ्य व पर्यावरण से जुड़ी इस समस्या का स्थायी समाधान हो।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।